RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:174 ता. 05 जनवरी 2023, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कंझावला कांड पर पूर्व IPS किरण बेदी ने पुलिस पर उठाए सवाल, गिनाईं तीन बातें

नई दिल्ली। श्रद्धा वॉकर हत्याकांड के बाद पूर्व आईपीएस अधिकारी और पुडुचेरी एलजी किरण बेदी ने दिल्ली के कंझावला कांड पर भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस घटना के जरिए कानून व्यवस्था और पुलिस की सतर्कता पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि मामले से तीन बातें निकल सामने आती हैं। रविवार को 20 वर्षीय युवती की मौत हो गई थी। आरोप हैं कि कार चालकों ने कई किमी तक उसे घसीटा था। पूर्व पुलिस अधिकारी ने तीन बातें गिनाई हैं। उन्होंने कहा कि यह पुलिस की प्रतिक्रिया देने के तरीके में देरी, लोगों में कानून के कम खौफ और सिविल एजेंसियों के साथ पुलिस की एकजुटता में कमी को दिखाता है। घटना दिल्ली के सुल्तानपुरी में हुई थी। हाल ही में युवती का पोस्टमॉर्टम किया गया। मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनकी पहचान दीपक खन्ना, मनोज मित्तल, अमित खन्ना, मिथुन और किशन के तौर पर हुई है। आशंका जताई जा रही है कि घटना के वक्त आरोपी नशे में धुत्त थे। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और उसके हाथ कुछ और सीसीटीवी फुटेज भी लगे हैं।

श्रद्धा वॉकर हत्याकांड के बाद पैरेंट्स को दी थी सलाह

एक चैनल से बातचीत में बेदी ने कहा था, भले ही लड़की यह कहे कि इससे आपका कोई मतलब नहीं, लेकिन पैरेंट्स को अपनी बच्ची पर नजर रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि इतनी देर से उसके ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाने की जिम्मेदारी माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों की है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा के पैरेंट्स को और जिज्ञासु होना चाहिए था। साथ ही पूर्व पुलिस अधिकारी ने कहा कि वह जहां रहती थी, उसके पड़ोसियों, फ्लैट के मालिक को जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि यह जाहिर है कि परिवार असफल हुआ है। उन्होंने बताया, यह समाज की असफलता है, दोस्त भी असफल हुए हैं। बेदी ने कहा कि महिलाओं को खतरे के निशानों के बारे में बताने के लिए कहा जाना चाहिए। मामले की जांच को लेकर उन्होंने कहा कि अधिकारियों को यह देखना चाहिए कि आफताब डेटिंग एप्स पर कितना व्यस्त रहता था। उन्होंने कहा, ऐसा जरूर कुछ होगा, जो श्रद्धा ने देखा और जिसके चलते यह अपराध हुआ।

राम मंदिर के पुजारी के बाद अब चंपत राय ने की राहुल गांधी की तारीफ, कहा- आरएसएस ने नहीं की निंदा

राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास द्वारा राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' को समर्थन देने के बाद अब राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव चंपत राय ने कहा है कि राहुल गांधी की यात्रा की प्रशंसा की।

नई दिल्ली। राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास द्वारा राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को समर्थन देने के बाद अब राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव चंपत राय ने कहा है कि राहुल गांधी की यात्रा की प्रशंसा की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस ने भारत जोड़ो यात्रा की कभी निंदा नहीं की है। उन्होंने राहुल को देश के लिए पैदल चलने वाला नौजवान बताते हुए कहा, मैं उनके कदम की सराहना करता हूं। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। मैं आरएसएस का कार्यकर्ता हूं और आरएसएस ने कभी भी भारत जोड़ो यात्रा की निंदा नहीं की है।

उन्होंने कहा, वह इस खराब मौसम में चल रहे हैं और इसकी सराहना की जानी चाहिए। मुझे कहना होगा कि सभी को देश की यात्रा करनी चाहिए।

राहुल की यात्रा के उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने से एक दिन पहले राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने राहुल गांधी को यात्रा की सफलता, अच्छे स्वास्थ्य और लंबे जीवन की कामना की। मुख्य पुजारी ने एक पत्र में लिखा, आप लोगों के हित में और लोगों की खुशी के लिए सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के लिए काम कर रहे हैं। मैं भगवान राम की कृपा आप पर हमेशा बनाए रखना चाहता हूं। मंगलवार को भारत जोड़ो यात्रा में रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के पूर्व प्रमुख एएस दुलत, शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी शामिल हुईं। प्रियंका गांधी भी इसमें शामिल हुईं। हालांकि, इस यात्रा में मायावती और अखिलेश यादव शामिल नहीं होंगे। यात्रा तीन दिनों तक उत्तर प्रदेश में रहेगा। इसके बाद 6 जनवरी को हरियाणा में फिर से प्रवेश करेगी। यह यात्रा 20 जनवरी को जम्मू और कश्मीर के कठुआ जिले में पहुंचेगी और 30 जनवरी को श्रीनगर में समाप्त होगी।

देश में 24 घंटे में कोरोना के 175 नए मरीज

नई दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस से संक्रमित 175 नए मरीज सामने आए हैं। इस अवधि में 187 लोग ठीक हुए है। इस दौरान कोरोना से किसी की भी मौत नहीं हुई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में कोरोना वायरस के कुल एक्टिव मामले 2,570 हैं। इसके साथ देश में अबतक 4,41,45,854 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं। पिछले 24 घंटे में देशभर में 2.01 लाख नमूनों की जांच की गई। अबतक कुल 91.13 करोड़ लोगों का कोरोना टेस्ट किया जा चुका है। देश का मौजूदा रिकवरी रेट 98.8 है और दैनिक संक्रमण की दर 0.09 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में कोरोना वैक्सीन की 48,292 खुराक दी गई। इसके साथ देश में अबतक कुल 220.11 करोड़ वैक्सीन दी जा चुकी है।

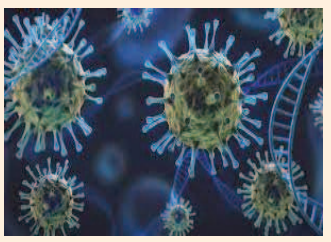

दिल्ली में कैसे बचेंगी बेटियां !

लड़की को कार में खींचने की कोशिश, दोस्ती तोड़ने पर चाकुओं से गोदा

कंझावला कांड को लेकर उपजे आक्रोश के बीच दिल्ली में दो और हैरान करने वाली वारदातें सामने आई हैं। दिल्ली के पांडव नगर में 19 साल की एक लड़की को कार में खींचने की कोशिश की गई है।

नई दिल्ली। कंझावला कांड को लेकर उपजे आक्रोश के बीच दिल्ली में दो और हैरान करने वाली वारदातें सामने आई हैं। दिल्ली के पांडव नगर में 19 साल की एक लड़की को कार में खींचने की कोशिश की गई है। विरोध करने पर आरोपी ने तेजाब फेंकने की धमकी भी दी। इस दौरान लड़की जख्मी हो गई। पुलिस ने कहा है कि केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है। उधर आदर्श नगर में एक लड़की को दोस्ती तोड़ने पर चाकुओं से गोद दिया गया है।

अगले 4-5 दिनों तक उत्तर भारत में छाएगा घना कोहरा, जारी रहेगी शीतलहर, दिल्ली में येलो अलर्ट

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अगले 4-5 दिनों तक उत्तर-पश्चिम भारत में घना कोहरा और कड़ाके की सर्दी पड़ने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने बताया कि कोहरे और दिन में बादल छाए रहने की वजह से पंजाब के अधिकांश हिस्सों, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्सों में ठिठुरन महसूस की गई। आईएमडी के अनुमान के मुताबिक, अगले तीन दिनों तक उत्तर-पश्चिम भारत में शीत लहर जारी रहेगी। इसके बाद ही लोगों को कुछ राहत मिलेगी। आईएमडी ने सचेत किया है कि खराब मौसम के कारण वाहन चालकों को परेशानी हो सकती है। साथ ही वाहनों के बीच टक्कर की संभावना, ट्रेनों के परिचालन में देरी और उड़ानों के रद्द होने की चेतावनी दी है। मौसम विभाग का कहना है कि दमा के मरीजों को सांस की तकलीफ, खांसी तथा आंखों में जलन व संक्रमण की समस्याएं हो सकती हैं।

यात्रा के समय फॉग लाइट का उपयोग करने का सुझाव-आईएमडी ने लोगों को लंबी यात्रा के दौरान आवश्यक वस्तुओं जैसे पानी और दवा को लेकर चलने और फॉग लाइट का उपयोग करके सुरक्षित ड्राइव करने का सुझाव दिया। साथ ही लोगों को यात्रा से पहले रेलवे, एयरलाइंस, राज्य परिवहन और फेरी सेवा संचालकों से पूछताछ करने की भी सलाह दी।

दिल्ली-एनसीआर में अधिकतम तापमान में गिरावट -वहीं, बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में बर्फीली हवा चलने और दिन में बादल छाए रहने से अधिकतम तापमान में एक डिग्री की गिरावट दर्ज हुई। अगले एक-दो दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट हो सकती है। मौसम विभाग ने बुधवार से शनिवार तक येलो अलर्ट जारी किया है। नई दिल्ली स्थित प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुमान के मुताबिक, आने वाले दिनों में पारा और गिर सकता है। विभाग ने शुक्रवार और शनिवार को कोल्ड डे की स्थिति रहने की संभावना जताई है।

एनसीआर क्षेत्र के तापमान में ज्यादा गिरावट-मौसम विभाग के मुताबिक, मंगलवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 16.1 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। विभाग के अनुसार दिल्ली के मुकाबले एनसीआर क्षेत्र के तापमान में ज्यादा गिरावट दर्ज हुई। अधिकतम तापमान एनसीआर के गाजियाबाद में 14.3 डिग्री, गुरुग्राम में 15.4 डिग्री और फरीदाबाद में 16.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

छह जनवरी तक पारा चार डिग्री तक पहुंचने की संभावना-मौसम विभाग के मुताबिक, बुधवार से न्यूनतम तापमान में गिरावट होगी। छह जनवरी तक तापमान चार डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग की मानें तो अगले सप्ताह तक दिल्ली सहित एनसीआर क्षेत्र में घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है। वहीं विभाग ने सात जनवरी तक शीत लहर चलने व सर्द दिन रहने का येलो अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली पुलिस के एएसआई का सड़क पर तांडव, द्वारका में 6 गाडियों को मारी टक्कर

4 लोग हुए घायल

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के एक ASI ने सड़क पर खौफनाक तांडव मचाया है। बाहरी दिल्ली में पोस्टेड इस पुलिसकर्मी ने अपने निजी वाहन से 6 गाड़ियों को जोरदार टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि मंगलवार की रात द्वारका मोड़ के पास रेड लाइट के पास एएसआई ने एक पीसीआर वैन समेत 6 वाहनों को एक के बाद एक टक्कर मारी है। इस हादसे में एसएआई समेत 4 लोग घायल हुए हैं। दिल्ली पुलिस का कहना है कि एएसआई के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि घटना के वक्त पुलिस का जवान नशे में था या नहीं? इसके लिए उसके खून के नमूने लिए गये हैं। पुलिस ने फिलहाल एएसआई के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

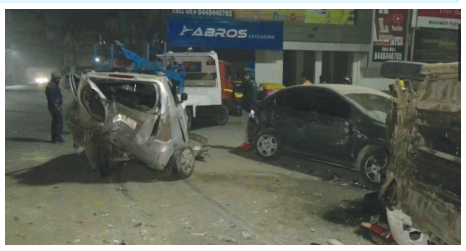

जिस कार से एएसआई ने यह तांडव मचाया है वो उसकी निजी कार थी। यह एक स्विफ्ट कार थी। कुछ मीडिया रिपोर्ट में प्रत्यक्षदर्शी के हवाले से कहा जा रहा है कि रेड लाइट के पास खड़ी गाड़ियों को एएसआई की गाड़ी ने टक्कर मारी। बताया जा रहा है कि इस हादसे में घायल किसी भी शख्स को गंभीर चोट नहीं लगी है।

गंगासागर स्नान-तैयारियां अंतिम दौर में

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

नई दिल्ली। यहां जल, मिट्टी और अंतरिक्ष में भी मोक्ष मिलती है। सनातन धर्म के पुराणों में यहां स्नान का अलग महत्व बताया गया है। यहां गंगा उत्तराखंड के गौमुख से निकल कर सागर में मिली है। मेले की तैयारियां अब अंतिम चरण में है। मकर संक्रांति के अवसर पर स्नान पर जुटने वाले श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत न हो, इसके मद्देनजर बड़े पैमाने पर तैयारियां चल रही हैं। तैयारियों का जायजा लेने के लिए कई बार आलाधिकारी और मंत्री दौरा कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद नजर बनाए हुए हैं। नीला और सफेद रंग मुख्यमंत्री का पसंदीदा रंग है। सड़कों पर लगी ग्रिल और सरकारी इमारतों यहां तक कि पानी जहाजों को भी नीले-सफेद रंग से रंगने का काम अंतिम दौर में है। गंगासागर स्नान महाकुंभ के बाद दूसरा स्नान का स्थान माना जाता है। यहां स्नान करने से जल, मिट्टी और अंतरिक्ष में भी मोक्ष मिलता है। सनातन धर्म के पुराणों में यहां स्नान का अलग महत्त्व बताया गया है। यहां गंगा उत्तराखंड के गौमुख से निकल कर सागर में मिलती है। इसलिए बंगालवासी इसे मिलन तीर्थ के नाम से भी जानते हैं। यहां का दौरा करने के बाद यह बात समझ में आती है कि सारे तीर्थ बारबार गंगासागर एक बार। कपिलमुनि विष्णु के पांचवें अवतार माने जाते हैं। इनके आश्रम का जिक्र स्कंद पुराण में भी मिलता है। यहां सागर के साठ हजार पुत्रों को गंगा के जल से मोक्ष प्राप्ति हुई थी। उन्हें कपिलमुनि का ही श्राप दिया हुआ था। यहां अब सीमेंट और टाइलों से जड़ा मंदिर बन चुका है, जहां लाखों लोग दर्शन-पूजा करने पहुंचते हैं। यह मंदिर अयोध्या के हनुमानगढ़ी के महंतों की देखरेख में है। हेमंत दासजी अभी यहां के प्रमुख है। बंगाल सरकार द्वारा मकरसंक्रांति के मद्देनजर बिजली का पुख्ता इंतजाम किया गया है। बिजलीयुक्त तोरण द्वार यात्रियों के स्वागत के लिए बने हैं। एक नंबर जेटी का स्टीमर चालू है। चार नंबर जेटी से स्टीमर चलाने को तैयारी चल रही है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारी दिन रात लगे दिखे। सड़कों की मरम्मत का काम करीबन हो चुका है। गाड़ियों की पार्किंग एक नंबर जेटी पर जाने के बाएं तरफ खुले मैदान में बनाई गई है। जगह जगह पीने के पानी के नल लगाए गए हैं। स्वास्थ्य केंद्र खोले जा रहे हैं। सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता किए जा रहे हैं। हिफाजत के लिए स्टीमर की सवारी के लिए अलग-अलग पांच पुल बनाए गए हैं ताकि भगदड़ न हो।भीड़ इकठ्ठी न हो। सेना के सैकड़ों जवान तैनाती के लिए पहुंच चुके हैं।

नशे में धुत शख्स ने फ्लाइट में महिला पर किया पेशाब

शिकायत के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

मुंबई। न्यूयॉर्क से दिल्ली आने वाली फ्लाइट में एक हैरान करने वाला मामाला सामने आया है। एक बुजुर्ग महिला ने आरोप लगाया है कि उसके साथ बिजनस क्लास में सफर करने वाले एक शख्स ने गंदी हरकत की। महिला के मुताबिक उसने कपड़े उतार दिए और उसके ऊपर ही टॉइलट कर दी। वह एयर इंडिया के विमान में सफर कर रही थी। इसके बाद महिला ने केबल क्रू को अलर्ट किया लेकिन उन्होंने भी उस यात्री पर कोई कार्रवाई नहीं की। दिल्ली में फ्लाइट लैंड होने के बाद वह आराम से चला गया। जब महला ने टाटा ग्रुप के चेयरमैन को एन चंद्रशेखर को पत्र लिखकर इस बात की शिकायत की तो एयर इंडिया ने मामले की जांच शुरू की। महिला ने कहा कि आरोपी के पेशाब करने की वजह से उसके कपड़े, मोजे, जूते और बेग भीग गए। उन्होंने पत्र में कहा, इस संवेदनशील मामले को हैंडल करने में क्रू मेंबर विफल रहे। वे इसे गंभीरता से नहीं ले रहे थे। लंबे समय के बाद क्रू मुझे ही सलाह दे रहा था। मैं सफा कहना चाहती हूं कि इस तरह की घटना के बावजूद एयरलाइन का ध्यान मेरी सुरक्षा की ओर बिल्कुल नहीं था। घटना 26 नवंबर की है। एयर इंडिया का विमान एआई-102 न्यूयॉर्क के जॉन एफ कैनडी एयरपोर्ट से वहां के 1 बजे दोपहर रवाना हुआ था। थोड़ी देर के ही बाद विमान की लाइट ऑफ कर दी गई। महिला ने कहा, एक यात्री मेरे पास आया। उसने अपने पैंट की जिप खोली और पेशाब करने लगा। वह लगातार प्राइवेट पार्ट दिखा रहा था। पेशाब करने के बाद भी वह वहीं खड़ा रहा। जब सहयात्रियों ने उसका विरोध किया तब वह वहां से गया। उसके जाने के बाद महिला ने तत्काल यह बात केबिन क्रू को बताई। इसके बाद केबिन क्रू ने उनके बैग और कपड़ों पर छिड़काव किया। महिला ने जब खुद की सफाई की तो क्रू ने उन्हें एक सेट कपड़ा और डिस्पोजल स्लिपर दिए। वह अपनी गीली सीट पर वापस नहीं लौटना चाहती थीं इसलिए बाथरूम में ही 20 मिनट खड़ी रहीं। इसके बाद उन्हें एक संकरी क्रू सीट दे दी गई जहां वो एक घंटे बैठी रहीं। इसके बाद उनसे अपनी सीट पर वापस जाने को कहा गया। उन्होंने कहा कि सीट से बदबू आ रही थी। इसके दो घंटे बाद उन्हें दूसरी क्रू सीट दे दी गई। बाद में उन्हें पता चला कि फर्स्ट क्लास में कई सीटें खाली थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि क्रू मेंबर्स को उनकी बिल्कुल परवाह नहीं थी। फ्लाइट लैंड होने के बाद कहा गया कि उन्हें व्हीलचेयर दी जाएगी। हालांकि 30 मिनट तक इंतजार करने के बाद भी ऐसा नहीं किया गया। आखिर में खुद ही सामान भी उठाना पड़ा। एयर इंडिया की तरफ से कहा गया है कि इस बात की जानकारी रेग्युलेटरी अथॉरिटी और पुलिस को दे दी गई है। एयरलाइन पीड़ित यात्री से लगाता संपर्क में है। एयर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि एयरलाइन ने इंटरनल कमिटी बनाकर सरकार से आरोपी यात्री को नो फ्लाइ लिस्ट में डालने की सिफारिश की है। अब सरकारी समिति को आगे का फैसला करना है।

महिला ने कहा कि आरोपी के पेशाब करने की वजह से उसके कपड़े, मोजे, जूते और बेग भीग गए। उन्होंने पत्र में कहा, इस संवेदनशील मामले को हैंडल करने में क्रू मेंबर विफल रहे। वे इसे गंभीरता से नहीं ले रहे थे। लंबे समय के बाद क्रू मुझे ही सलाह दे रहा था।

गुजरात में कोरोना के नए वायरस एक्सबीबी.1.5 के तीन मरीज

अहमदाबाद। गुजरात में कोरोना के नए वायरस एक्सबीबी.1.5 के मरीजों की संख्या तीन पहुंच गई है। मंगलवार को इस बारे में आंकड़े जारी किए गए। जिसके मुताबिक देश में कुल पांच मामलों में से तीन गुजरात में और एक-एक कर्नाटक और राजस्थान में सामने आए हैं। गुजरात बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर (जीबीआरसी) के जरिए जीनोम सीक्वेंसिंग के अनुसार ओमिक्रॉन स्ट्रेन का सबसे प्रचलित सब-वैरिएंट एक्सबीबी.1.5 गुजरात में दो और रोगियों में पाया गया। जिसमें एक अहमदाबाद और दूसरा आणंद जिले से है। जबकि एक सप्ताह पहले केवल एक मामला अहमदाबाद से था। कुछ अध्ययनों के अनुसार एक्सबीबी.1.5 वर्तमान में अमेरिका में सक्रिय मामलों का लगभग 40 फीसदी है। कोरोना का यह वैरिएंट नवंबर बाद से गुजरात में सबसे प्रचलित सब-वैरिएंट बना हुआ है। गुजरात बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर के मुताबिक एक्सबीबी.1 के 57 एक्सबीबी.2 के 52 एक्सबीबी.5 के 23 और एक्सबीबी के 17 मामले सामने आए हैं। कुल मिलाकर 234 जीनोमों के अनुक्रम में एक्सबीबी का 62 फीसदी हिस्सा था। मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में कुल पांच मामलों में से तीन गुजरात से जबकि एक-एक कर्नाटक तथा राजस्थान राज्यों से सामने आए हैं। एक्सबीबी.1.5 स्वरूप ओमीक्रोन के एक्सबीबी स्वरूप से ही संबंधित है।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर फिर पत्थरबाजी दो कोच की खिड़की टूटी

जलपाईगुड़ी । पश्चिम बंगाल में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव हुआ है। दार्जिलिंग जिले के फांसीदेवा एरिया के पास से न्यू जलपाईगुड़ी की ओर जा रही रेल के सी-3 (सी-3) और सी-6 (सी-6) कोच पर पत्थर फेंकने से खिड़की का शीशा टूट गया है। यह जानकारी रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बुधवार (3 जनवरी) को दी। रेलवे को वंदे भारत एक्सप्रेस (रेल नंबर-22302) को मंगलवार (3 जनवरी) को शाम 6 बजे के करीब चेक करते वक्त पता लगा कि पथराव हुआ है। इसको लेकर अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। फिलहाल अभी किसी के घायल होने की खबर नहीं है। दो दिन में यह दूसरी घटना है। हावड़ा और न्यू जलपाईगुड़ी को जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाए जाने के कुछ दिन बाद ही यानी सोमवार (3 जनवरी) को भी पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में पथराव किया गया। इसको लेकर रेलवे के एक अधिकारी ने बताया था कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। मालदा शहर से लगभग 50 किलोमीटर दूर कुमारगंज रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन पर यह पथराव किया गया। इस घटना में 22303 वंदे भारत एक्सप्रेस के डिब्बा संख्या सी-13 का शीशा टूट गया है।अधिकारी ने बताया कि घटना सोमवार (3 जनवरी) को शाम करीब पांच बजकर 10 मिनट पर हुई और ट्रेन को बीच रास्ते में नहीं रोका गया यह मालदा टाउन रेलवे स्टेशन पर अपने तय कार्यक्रम के तहत ही रुकी। मालदा टाउन रेलवे स्टेशन राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के आईसी प्रशांत राय ने बताया कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) मामले की जांच कर रहा है।

कोहरे के कारण आज 300 से ज्यादा ट्रेनें कैंसिल 16 के रूट में बदलाव

नई दिल्ली ।भारतीय रेलवे ने आज 300 से अधिक ट्रेनों को कैंसिल कर दिया है। ज्यादातर ट्रेनें बिहार और उत्तर प्रदेश से होकर जाती है। इसके अलावा रेलवे ने यात्रियों को जानकारी दी है कि 306 ट्रेनों में से 271 ट्रेनों को पूरी तरह से रद्द किया गया है और 35 ट्रेनों को आंशिक तौर पर कैंसिल किया गया है। रेलवे ने इन ट्रेनों को कोहरा ?परिचालन और मरम्मत कार्य के कारण कैंसिल किया है। रेलवे की वेबसाइट के अनुसार 23 ट्रेनों की टाइमिंग में बदलाव कर रिशेड्यूल कर दिया गया है और 16 ट्रेनों के रूट में बदलाव किया गया है। रिजर्वेशन कराने वाले यात्री अगर सफर नहीं करना चाहते हैं तो अपने टिकट पर रिफंड के लिए क्लेम कर सकते हैं। इसके लिए यात्रियों को आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर जाना होगा। वहां पर आप अपनी यात्रा की पूरी जानकारी देंगे। कुछ घंटों के बाद आपको टिकट पर रिफंड दे दिया जाएगा।

मनरेगा मजदूरों की डिजिटल हाजिरी अनिवार्य

नई दिल्ली । महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में बड़े बदलाव किए गए हैं। नए बदलाव के अनुसार अब मनरेगा योजना में काम करने वाले मजदूरों की डिजिटल हाजिरी को अनिवार्य किया गया है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के नए दिशा निर्देशों के अनुसार डिजिटल हाजिरी के आधार पर ही अब मजदूरों को भुगतान किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा भ्रष्टाचार को रोकने के लिए और जवाबदेही तय करने के लिए यह परिवर्तन किया गया है। केंद्र सरकार के आदेश के अनुसार अब कार्यस्थल पर मोबाइल ऐप नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम पर मजदूर को रजिस्टर करना अनिवार्य किया गया है। देशभर में मनरेगा मजदूरों को रोजगार और भुगतान समय पर हो। इसमें जो भ्रष्टाचार हो रहा है। उसको रोकने के लिए केंद्र सरकार ने डिजिटल हाजिरी अनिवार्य कर दी है।

पिछले साल भक्तों ने रामलला मंदिर निर्माण के लिए दिया 20 करोड़ रुपए दान

अयोध्या । भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में बालक स्वरूप रामलला का भव्य और दिव्य मंदिर बन रहा है। मंदिर निर्माण को देखने के साथ-साथ दर्शन पूजन करने के लिए प्रतिदिन दूर-दराज से श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। बीते साल 2022 में रामलला के भक्तों ने अपना मंदिर निर्माण के लिए पिटारा खोल दिया है। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि बीते वर्ष 2022 में राम भक्तों ने बढ़-चढ़कर रामलला को अपनी कमाई समर्पित की है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट कार्यालय प्रभारी ने दावा किया है कि बीते वर्ष लगभग 20 करोड़ रुपए रामलला को मंदिर निर्माण के लिए दान मिला है। अयोध्या में बहुप्रतीक्षित भगवान राम का भव्य मंदिर अपनी तय समय सीमा के अनुसार तेज गति के साथ बन रहा है। मंदिर निर्माण की प्रगति को लेकर समय-समय पर ट्रस्ट के पदाधिकारी आम जनमानस तक मंदिर निर्माण की प्रगति को पहुंचाते हैं। लिहाजा मंदिर का निर्माण अक्टूबर 2023 में कंप्लीट कर जनवरी 2024 मकर संक्रांति के दिन भगवान राम को गर्भ गृह में स्थापित कर दिया जाएगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता ने बताया कि साल 2022 में लगभग 20 करोड़ रुपए दान स्वरुप मिला है। लगभग एक करोड़ रुपए से ज्यादा प्रति माह रामलला को राम भक्त समर्पित करते हैं। इसके साथ ही ऑनलाइन चेक के माध्यम से भी दान आता है। कुल मिलाकर साल में 20 करोड़ रुपए मिले हैं। श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती है तो रामलला के मंदिर निर्माण में श्रद्धालु बढ़-चढ़कर दान देंगे। प्रकाश गुप्ता के मुताबिक नव वर्ष के दिन कड़ाके की ठंड के साथ कोहरा छाया हुआ था।

सीएम मान का ऐलान- नशा तस्करों की संपत्ति होगी जब्त नशामुक्त बनेंगे गांव

चंडीगढ़ । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा है कि पंजाब में नशा तस्करों की संपत्ति को जब्त किया जाएगा। मंगलवार को राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर संपत्ति जब्त करने के लिए कानून में संशोधन की जरूरत है तो इसे फौरन अमल में लाया जाए। जिन तस्करों का रिकार्ड पुलिस के पास है उनकी संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया शुरू हो। मान ने कहा अगर किसी भी जिले के पुलिस अधिकारी के अधिकार क्षेत्र में नशा बिकता है तो इस कोताही के लिए संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे। उन्होंने नशा तस्करी में शामिल अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए। कहा कि गांवों के लोग अपने-अपने गांव को नशा मुक्त बनाने के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करने को यकीनी बनाएं। इस काम को यकीनी बनाने के लिए गांवों को ग्रामीण विकास फंड के तहत अलग अगल ग्रांट व अन्य लाभ देने को पहल दी जाएगी। जो भी गांव इन प्रस्तावों को पास करेंगे उन गांवों की सुरक्षा को भी यकीनी बनाया जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि राज्य में नशे का कारोबार करने वाले बड़े तस्करों को गिरफ्तार किया गया है और तस्करों की संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। नशा तस्करी में शामिल जिन आरोपितों को भगोड़ा करार दिया गया है उन्हें पकड़ने के लिए पिछले वर्ष जुलाई महीने से विशेष अभियान शुरू किया हुआ है।

अब तक 500 से ज्यादा भगोड़े हुए गिरफ्तार : अब तक 500 से ज्यादा भगोड़े गिरफ्तार किए जा चुके हैं। उल्लेखनीय है कि दैनिक जागरण ने विधानसभा चुनाव से पहले विभिन्न मुद्दों की तरफ नई सरकार का ध्यान आकृष्ट करने के लिए 'सुनिए सरकार पंजाब की पुकार' अभियान चलाया था।

जेपी नड्डा को ही फिर बीजेपी की कमान 16 जनवरी से दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक यहां 16-17 जनवरी को होगी और इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के कार्यकाल विस्तार को मंजूरी दी जा सकती है। पार्टी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रमुख संगठनात्मक निकाय की बैठक में विभिन्न राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति पर विचार किया जाएगा। इसके साथ ही अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों का भी जायजा लिया जाएगा। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केंद्रीय मंत्री और देश भर के वरिष्ठ नेता शिरकत करेंगे। इस दौरान विपक्षी दलों में व्यापक एकता की लेकर हो रही चर्चा और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में हो रही भारत जोड़ो यात्रा के मद्देनजर भाजपा इस बैठक में कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकती है। क्योंकि कांग्रेस भाजपा पर घृणा और विभाजन की राजनीति करने का आरोप लगाती रही है। सूत्रों के मुताबिक इस संदर्भ में एक प्रस्ताव भी पारित किया जा सकता है। वहीं बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में जेपी नड्डा का तीन साल का कार्यकाल इस महीने के अंत में पूरा हो रहा है और इस बात की पूरी संभावना है कि आगामी चुनावों को देखते हुए उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि भारत को मिली जी-20 की अध्यक्षता के मौके पर सरकार द्वारा आयोजित देशव्यापी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श बैठक के मुख्य आकर्षण में से एक होने की संभावना है। क्योंकि बीजेपी इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की सराहना करेगी और इस कवायद में अपने कार्यकर्ताओं को शामिल करने का खाका तैयार करेगी। उन्होंने बताया कि हाल में हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन और केंद्र में बीजेपी की सरकार के कामकाज पर भी बैठक में चर्चा हो सकती है। बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों और 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों के मद्देनजर संगठनात्मक चुनावों को स्थगित करने पर भी चर्चा हो सकती है। सूत्रों के अनुसार अप्रैल-मई 2024 में लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद पार्टी में आंतरिक चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। नड्डा के पूर्ववर्ती और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी 2019 के लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारी का नेतृत्व करने के लिए कार्यकाल का विस्तार मिला था। संसदीय चुनावों के बाद ही बीजेपी के संगठनात्मक चुनाव शुरू हुए और नड्डा को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया और प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के दूसरे कार्यकाल के दौरान शाह को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। एक अनुभवी संगठनात्मक व्यक्ति

जेपी नड्डा के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेतृत्व के साथ भी अच्छे संबंध हैं और उन्हें प्रधानमंत्री मोदी का विश्वास हासिल है। पार्टी के कई नेताओं का मानना है कि उन्होंने उस संगठनात्मक गतिशीलता को बनाए रखा है जो बीजेपी को उनके पूर्ववर्ती के कार्यकाल में मिली थी

गुजरात चुनाव में कैसे हुई कांग्रेस की हार, मंथन के लिए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बनाई कमेटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में ही हुए गुजरात में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को जबरदस्त तरीके से हार का सामना करना पड़ा। गुजरात चुनाव में इस बार का कांग्रेस का प्रदर्शन सबसे खराब रहा है। इसको लेकर कांग्रेस पर कई सवाल भी उठे राजनीतिक विश्लेषक भी दावा करते रहे कि उसे गुजरात में कांग्रेस की कमजोर होने की वजह से आम आदमी पार्टी मजबूत हुई थी। कांग्रेस ने खुद को मजबूत करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाएं। इन सबके बीच गुजरात में खराब चुनाव प्रदर्शन और आगे के सुधार को लेकर अब कांग्रेस हरकत में आती हुई दिखाई दे रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसको लेकर एक कमेटी बना दी है। इस कमेटी में 3 लोगों को शामिल किया गया है।

इस कमेटी की अध्यक्षता महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री नितिन राउत करेंगे। नितिन राउत के अलावा

इसमें बिहार विधानसभा के सदस्य शकील अहमद खान और सांसद सप्तगिरि उलका भी मौजूद हैं। यह समिति गुजरात में हार के कारण पर मंथन करेगी और साथ ही साथ आगे सुधार के लिए कौन से कदम उठाए जाएं, इस पर भी अपनी राय देगी। यह समिति 2 सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट पार्टी अध्यक्ष को सौंपेगी। आपको बता दें कि गुजरात चुनाव से ठीक पहले मल्लिकार्जुन खड़गे को कांग्रेस की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। कांग्रेस लगातार गुजरात में अच्छे प्रदर्शन का दावा कर रही थी। लेकिन चुनावी नतीजे जब सामने आए तो पार्टी सिर्फ 17 सीटों पर सिमट गई। पार्टी के वोट प्रतिशत में भी काफी गिरावट देखने को मिला।

2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने गुजरात में जबरदस्त प्रदर्शन किया था। कांग्रेस ने भाजपा को कड़ी टक्कर भी दी थी। भाजपा पहली बार 100 के भीतर सिमट गई थी। हालांकि, इस बार कहीं ना कहीं कांग्रेस कमजोर दिखाई दे रही थी। कांग्रेस के वोट प्रतिशत में गिरावट आई। वहीं आम आदमी पार्टी की वजह से भी कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ा। दूसरी ओर भाजपा की बात करें तो वह सातवीं बार लगातार चुनाव जीतने में कामयाब रही। भाजपा ने 182 सीटों वाली गुजरात में 156 सीटों पर एकतरफा जीत हासिल की।

सीमाचंल में औवेसी की आहट से महागठबंधन में खलबली आरजेडी ने तैयार किया नया प्लान

पटना (एजेंसी)। आम चुनाव में अभी करीब डेढ़ साल का समय हैं लेकिन बिहार की प्रमुख पार्टियां अब राजनीतिक जल का परीक्षण करने के लिए मैदान में उतर गई हैं। इसी कड़ी में राजद ने मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने के लिए सीमांचल के लिए अलग से प्लान तैयार किया है। इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तरह ही उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के लिए यात्रा का प्लान बना है। आरजेडी के प्रदेश प्रवक्ता चितरंजन गगन ने कहा हम भी सीमांचल में रैलियां करने वाले हैं इसके लिए दौरे के कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। लेकिन माना जा रहा है कि ओवैसी की हुंकार ने आरजेडी में मुस्लिम मतदाताओं के छिटकने का डर भर दिया है।

आरजेडी के मुताबिक इसी महीने शुरू होने वाली यात्रा में महागठबंधन के विभिन्न सहयोगी भी हिस्सा लेने वाले हैं। आरजेडी जो मुस्लिम-यादव (एमवाई) मतदाताओं को अपनी ताकत मानता है। इधर तेजस्वी लगातार आरजेडी के ए टू जेड की पार्टी होने का दावा कर रहे हैं। लेकिन उन्हें भी ये बखूबी पता है कि ओवैसी की एआईएमआईएम के साथ सीमांचल में बहुत कुछ दांव पर लगा है। ओवैसी इस क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर रहा है और विभाजन का कारण बन रहा है। यही आरजेडी की चिंता भी है। ओवैसी ने हाल ही में ताल ठोकी है। ओवैसी ने खुले मंच से कहा था कि हम देश में किसी और जगह से चुनाव लड़ें या न लड़ें लेकिन बिहार के किशनगंज से अपना उम्मीदवार जरूर देने वाले है। ओवैसी के इसी दावे ने महागठबंधन में खलबली मचा दी। इससे पहले 2020 के विधानसभा चुनावों में एआईएमआईएम ने सीमांचल की 24 विधानसभा सीटों में से पांच पर जीत हासिल की थी।

नीतीश का बायकॉट कर रहे हैं राजद कोटे के मंत्री! : सुशील मोदी

पटना (एजेंसी)। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि सुधाकर सिंह के तीखे बयान और राजद कोटे के मंत्रियों के मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का बहिष्कार करने से महागठबंधन में जो महासंग्राम छिड़ा है। वह तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने तक रुकेगा नहीं। सुशील मोदी ने कहा कि अब या तो लालू प्रसाद जदयू को तोड़कर तेजस्वी को सीएम बनवा लें या नीतीश कुमार राजद से समझौते के मुताबिक तेजस्वी को कुर्सी सौंप कर दिल्ली की राजनीति में चले जाएं। सुशील ने कहा कि नीतीश कुमार जंगलराज शब्द का प्रयोग किए बिना अपनी सभाओं में पहले के दौर की बार-बार याद दिला कर तेजस्वी के माता-पिता के उस शासन पर बहुत महीन तरीके से हमला कर रहे हैं। नीतीश कुमार बार-बार यह कहते हैं- जब लोग शाम के बाद डर से बाहर नहीं निकलते थे। सुशील ने पूछा कि तेजस्वी यादव बताएं कि अगर सब-कुछ ठीक है तो राजद कोटे के मंत्रियों ने मुख्यमंत्री के जल-जीवन-हरियाली कार्यक्रम का बहिष्कार क्यों किया? वे खुद क्यों अनुपस्थित थे? मोदी ने कहा कि जब भाजपा नीतीश सरकार में शामिल थी तब हमारे दल के किसी मंत्री ने कभी मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का बहिष्कार नहीं किया. उन्होंने कहा कि जब सुधाकर सिंह मुख्यमंत्री को शिखंडी और तानाशाह कह रहे हैं तो क्या लालू प्रसाद की जानकारी के बिना सीएम पर ऐसे तीखे हमले हो सकते हैं? अगर महागठबंधन पर बयान देने के लिए केवल लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव अधिकृत हैं तब शिवानंद तिवारी कैसे बयान देते हैं? उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार दोनों के बीच नूरा-कुश्ती चल रही है।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी गंगाराम अस्पताल में भर्ती

नयी दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को दिन में गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि नियमित चेकअप के लिए उन्हें भर्ती कराया गया है। इस दौरान उनकी बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा भी उनके साथ रहीं। उनके अनुसार सोनिया गांधी को सांस लेने में परेशानी हो रही थी।

मेरा मुंह खुल गया तो किसी का धोती-पायजामा नहीं बचेगा: प्रशांत किशोर

पटना (एजेंसी)। जन सुराज यात्रा पर निकले प्रशांत किशोर ने बिहार के नेताओं को चेतावनी देने वाले लहजे में कहा कि अगर मेरा मुंह खुल गया तो किसी का धोती-पायजामा नहीं बचेगा। पीके ने कहा कि जब वोट देने की बात आती है तो उस समय हम सबकुछ भूल कर अपने जाति के लोगों को खोजने लगते हैं। बिहार में पिछले 30 साल से लोग सिर्फ चार मुद्दों पर वोट करते जा रहे हैं जिसे अब बदलने की जरूरत है। जन सुराज पदयात्रा के दौरान गरीबा गांव में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने जनता से कहा कि आपको अपने बच्चों का दर्द क्यूं नहीं दिखता? आज बिहार के नेताओं ने जनता के नस में जात-धर्म का ऐसा नशा घुसा दिया है कि आपको आपके बच्चों की फटियाली नहीं दिखती। आप अपने जाति के नेता को जिताने के पीछे अपने भविष्य को दाव में लगा देते हैं पर क्या आपने कभी सोचा कि ऐसा करने से आपको क्या

हासिल हो रहा है? जनता को स्वीकारने की जरूरत है कि उन्होंने अतीत में गलती की है।

किशोर ने कहा कि हाथ जोड़ कर बोल रहा हूं कि अपने बारे में नहीं तो कम से कम अपने बच्चों का सोचिए। बिहार की जनता में अभी भी बहुत कुछ बाकी है जिसे हमें दुनिया को दिखाना है। उन्होंने तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार पर हमला करते हुए कहा कि आज राजद और जदयू के नेता जो बिहार के गरीब लोगों को लूट कर अपना-अपना काम चला रहे हैं अपना बर्थडे चार्टर प्लेन में मना रहे हैं उनसे पत्रकार कभी क्यों नहीं पूछते कि आखिर वो इतना पैसा कहां से ला रहे हैं? खैर! मैंने तो इन पार्टियों के लिए काम भी किया है। पीके ने कहा कि अगर मेरा मुंह खुल गया तो किसी का धोती-पायजामा नहीं बचेगा। किसी में दम तो हमको पकड़ के दिखा दे। हमारे हर काम के लिए चेक से पैसा लिया-दिया जा रहा है। आप वर्षों से अलग-आलग पार्टियों को वोट दे रहे हैं। इससे आपको हासिल क्या हो रहा है? आपको आश्वासन और छलावे के अलावा कुछ मिलेगा भी नहीं। अगर आप आने वाले समय में अपनी भागीदारी चाहते हैं तो जन सुराज अभियान में भागीदार बनिए। मैं आपको आश्वस्त करने आया हूं कि जमीन से जुड़े हर अच्छे आदमी को मौका दिया जाएगा।

सिनेमा और थियेटर में बाहरी खाने पर लगाई जा सकती है रोक: सुप्रीम कोर्ट

- अगर अभिभावक के साथ नवजात शिशु हो तो उन्हें खाना लाने की इजाजत मिलनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सिनेमाघरों से जुड़े एक मामले में कहा है कि सिनेमा और थियेटर में बाहर से लाए हुए खाने पर प्र?तिबंध लगाया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने कहा है कि सिनेमा हॉल मालिक फिल्म देखने वालों को अपने साथ खाना लाने से रोक सकते हैं। सभी सिनेमा हॉल के लिए जरूरी है कि वह सिनेमा देखने वालों के लिए ?मुफत में शुद्ध पानी उपलब्ध कराएं। सिनेमा देखने वालों के साथ अगर नवजात शिशु हैं तो उनके लिए पैरेंट्स को खाना लाने की इजाजत हो। सुप्रीम कोर्ट में जम्मू कश्मीर हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। हाई कोर्ट ने सिनेमा हॉल मालिकों को निर्देश दिया था कि वह सिनेमा देखने वालों को अपने साथ खाना सिनेमा हॉल में ले जाने से न रोकें। इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया था। सुप्रीम कोर्ट में याची की ओर

से सीनियर एडवोकेट केवी विश्वनाथन ने कहा कि चूंकि सिनेमा हॉल प्राइवेट प्रॉपर्टी है ऐसे में वह एडमिशन राइट्स को प्रतिबंधित कर सकता है। साथ ही कहा कि इस तरह के प्रतिबंध के पीछे सुरक्षा कारण है। इसके लिए एयरपोर्ट आदि का उदाहरण भी याची के वकील ने दिया। साथ ही याचिकाकर्ता ने कहा कि जम्मू कश्मीर सिनेमा रूल्स 1975 इस बात की इजाजत नहीं देता है कि सिनेमा देखने वाले अपने साथ खाने का सामान ले जाएं। सिनेमाहॉल में खाने का सामान खरीदना अनिवार्य नहीं है। कोई सिनेमा हॉल मालिक किसी दर्शक को बाध्य नहीं करता कि वह पॉपकोर्न खरीदे ही।

'बेटी विवाहित होने पर भी बेटी ही रहेगी', सैनिक कल्याण और पुनर्वास विभाग की जेंडर स्टीरियोटाइप मानदंड को कर्नाटक हाई कोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक विवाहित बेटी एक बेटी की तरह ही रहती है, जिस तरह से एक विवाहित बेटा एक बेटा रहता है, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सैनिक कल्याण बोर्ड के दिशानिर्देश को खारिज करते हुए फैसला सुनाया है, जिसमें द्वारा 25 वर्ष से कम आयु की विवाहित बेटियों को आश्रित पहचान पत्र (आई-कार्ड) जारी करने के लिए अपात्र ठहराया गया है। वहीं, यदि आई-कार्ड जारी किया जाता है तो उन्हें पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित श्रेणी में सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन करने के योग्य बनाता है।

बेटी विवाह के बाद भी बेटी ही रहती है, जिस तरह से एक बेटा विवाह के बाद बेटा रहता है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सैनिक कल्याण बोर्ड के दिशानिर्देश को खारिज करते हुए एक अहम आदेश दिया। बता दें कि कोर्ट का आदेश विवाहित बेटियों को पूर्व रक्षा कर्मियों के बच्चों के लिए आश्रित कार्ड का लाभ उठाने से रोके जाने के संदर्भ में आया है। यदि पुत्र पुत्र बना रहता है, विवाहित या अविवाहित; एक बेटी बेटी ही रहेगी, विवाहित या अविवाहित। यदि विवाह के कार्य से पुत्र की स्थिति में परिवर्तन नहीं होता है; विवाह का अधिनियम बेटी की स्थिति को बदल नहीं सकता है और न ही बदलेगा, 'कर्नाटक एचसी की एकल न्यायाधीश पीठ ने 2 जनवरी को एक आदेश में फैसला सुनाया।

हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से यह भी कहा है कि वह बलों में बदलते लिंग समीकरणों के कारण पूर्व रक्षा कर्मियों को पूर्व सैनिकों के रूप में संदर्भित करना बंद करे और पूर्व-सैनिकों के लिंग-तटस्थ नामकरण पर विचार करे। कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने यह आदेश सेना के एक पूर्व सैनिक सूबेदार रमेश खंडप्पा पुलिस पाटिल की 31 वर्षीय बेटी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान जारी किया, जो वर्ष 2001 में 'ऑपरेशन पराक्रम' के दौरान खानों को साफ करते समय शहीद हो गए थे।

हत्या के प्रयास के मामले में 41 साल के भारतीय मूल के व्यक्ति को गिरफ्तार किया

वाशिंगटन । अमेरिका में भारतीय मूल के 41 साल एक व्यक्ति को हत्या के प्रयास और बाल शोषण के संदेह में गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि उसने जानबूझकर अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ टेस्ला कार को खतरनाक चट्टानों से खाई में गिरा दी। आरोपी की पहचान धर्मेश ए पटेल के रूप में हुई है। वह कैलिफोर्निया के पसडेना में रहता है। पुलिस ने बताया कि पटेल उसकी पत्नी और बच्चे को सोमवार को सैन मेटो काउंटी में स्थित डेविल्स स्लाइड से बचाया गया। बचावदल में अग्निशामक भी शामिल थे। जिन्होंने दो बच्चों एक 4 साल की लड़की और 9 साल के लड़के को बचाने के लिए चट्टान को हटाया। फिर एक हेलीकॉप्टर बचाव दल ने गाड़ी से दंपति को निकाला। इस बचाव को लगभग चमत्कारी बताया है क्योंकि टेस्ला कार 250 से 300 फीट नीचे गिरी थी। एक अधिकारी ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों ने दुर्घटना के बाद 911 (हेल्पलाइन नंबर) पर कॉल किया। लोगों के लिए इस हादसे से बचना बहुत दुर्लभ था और हो सकता है कि बच्चों की जान कार की सीटों ने बचा ली हो। उन्होंने कहा कि वह गाड़ी में लोगों को जीवित देखकर बहुत चौंक गए थे। बच्चों को मामूली चोटें आई हैं।

क्यूबा में अमेरिकी दूतावास ने बहाल की कांसुलर सेवाएं क्यूबाइयों के लिए जारी किए जाएंगे वीजा

हवाना । क्यूबा में अमेरिकी दूतावास ने बुधवार को वीजा और कांसुलर सेवाओं को फिर से बहाल कर दिया है। 2017 में राजनयिक कर्मचारियों के बीच स्वास्थ्य संबंधी घटनाओं के कारण इस दूतावास की सारी सेवाओं को बंद कर दिया गया था। इसी सप्ताह दूतावास ने बताया कि वह जरूरतमंद लोगों को वीजा देना शुरू कर देगा। अमेरिका में क्यूबाई लोगों को परिवार के साथ फिर से मिलाने के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। इस फैसले से अब क्यूबाई लोगों के लिए और अधिक कानूनी रास्ते खुलेंगे। ऐतिहासिक रूप से तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद बाइडेन प्रशासन द्वारा इस तरह का कदम उठाया गया है। बताया जा रहा है कि हर साल कम से कम 20000 वीजा दिया जाएगा। इससे संकेत मिलता है कि अमेरिका और क्यूबा के बीच बातचीत शुरू हो सकती है। बता दें कि अमेरिकी अधिकारियों ने पिछले साल नवंबर में मैक्सिको सीमा पर 34675 बार क्यूबा से आने वाले लोगों को रोका था। आर्थिक ऊर्जा और राजनीतिक संकट सहित कई कारणों से क्यूबाई लोग अपना देश छोड़ने पर मजबूर हैं। वह आए दिन अमेरिका में गैर-कानूनी तरीके से घुसने की कोशिश करते हैं। क्यूबा के अधिकांश प्रवासी फ्लाइट से निकारागुआ जाते हैं और मैक्सिको सीमा पार करके अमेरिका में पहुंच जाते हैं। इसके अलावा हजारों लोग अमेरिका जाने के लिए समुद्र का सहारा भी लेते हैं। वहीं हैती और वेनेजुएला के रास्ते अमेरिका में क्यूबाई लोगों का पलायन भी बड़ी समस्या है। सरकार को मजबूरन इसे रोकने के लिए दक्षिणी सीमा पर सख्ती करनी पड़ती है। बता दें कि हाल के महीनों में हवाना में अमेरिका अधिकारियों की कई यात्राओं के बाद दूतावास में वीजा सुविधाओं को फिर से खोलने का आदेश सामने आया है। क्यूबा के लोगों को इसके कारण बहुत परेशानी हुई है। अपने परिवार से मिलने के लिए लोगों को दूसरी जगह से यूएस जाना पड़ता था। क्यूबा और यूएस के बीच संबंध हमेशा तनावपूर्ण रहे हैं। दूतावास के बंद होने और ट्रंप प्रशासन द्वारा क्यूबा पर प्रतिबंधों को कड़ा करने के बाद यह और बढ़ गए थे। हालांकि राष्ट्रपति जो बाइडेन की सरकार ने परिवार से मिलने की यात्रा जैसी चीजों पर कुछ पाबंदियों को कम कर दिया है। हालांकि पर्यटकों की यात्रा और कई वस्तुओं के आयात निर्यात पर प्रतिबंध जारी रहेगा।

पोलैंड ने जर्मन सरकार से द्वितीय विश्व युद्ध की भरपाई के लिए संयुक्त राष्ट्र का रुख किया

बर्लिन । पोलैंड ने कहा कि जर्मन सरकार ने बताया है कि वह द्वितीय विश्व युद्ध की भरपाई के लिए वारसॉ को किसी भी तरह की क्षतिपूर्ति पर बातचीत में शामिल होने का इरादा नहीं रखता है और मामले को समाप्त मानता है। पोलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसने नाजी जर्मनी के 1939-45 के शासन के तहत हुए अनुमानित नुकसान के लगभग 1.3 ट्रिलियन डॉलर के मुआवजे को पाने के अपने प्रयासों के तहत समर्थन के लिए संयुक्त राष्ट्र का रुख किया है। लंबे समय से जारी विवाद के बीच जर्मनी इसपर जोर देता रहा है कि मामले को साम्यवादी समय के दौरान लिए गए फैसलों से बंद कर दिया गया था जब वारसॉ ने क्षतिपूर्ति की मांग को छोड़ दिया था। पोलैंड का कहना है कि यह रूस के दबाव में किया गया था और यह कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं था। इसने अक्टूबर में एक आधिकारिक मांग भेजी। पोलैंड के नेता सुझाव देते रहे हैं कि बातचीत की संभावना बरकरार है।

अमेरिका अफगानिस्तान की महिलाओं और लड़कियों के साथ : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन । व्हाइट हाउस ने कहा है कि अमेरिका अफगानिस्तान की महिलाओं के साथ है और लड़कियों की शिक्षा पर प्रतिबंधों के तालिबान के हालिया कदम की कड़ी निंदा करता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन ज्यां-पियरे ने कहा हम अफगानिस्तान की महिलाओं के साथ हैं और लड़कियों की शिक्षा तथा उनके अधिकारों पर पाबंदियों के तालिबान के फैसले की निंदा करते हैं। जैसा कि बाइडेन प्रशासन ने पहले भी कहा है कि तालिबान के ये कदम उस अंतरराष्ट्रीय समुदाय से और अलग-थलग करेगा और अपने शासन को वैध ठहराने की उसकी इच्छा भी पूरी नहीं हो पाएगी। हम इस मुद्दे पर अपने भागीदारों व सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। हम अफगानिस्तान की महिलाओं तथा लड़कियों का समर्थन करने और अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने के हमारे साझा प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए कदम उठाना जारी रखने वाले हैं। गौरतलब है कि तालिबान सरकार ने हाल में महिलाओं की शिक्षा पर प्रतिबंध लगा दिया था।

3.15 करोड़ की दुनिया की पहली फ्लाइंग बाइक

लॉस एंजेलिस । दुनिया की पहली उड़ने वाली मोटरसाइकिल का परीक्षण शुरू हो गया है। अमेरिका फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन का सर्टिफिकेट मिलने के बाद इसका उत्पादन शुरू कर दिया जाएगा। कंपनी का कहना हैकि अगले दो से 3 वर्षों में कंपनी द्वारा तैयार 8 जेट इंजन वाली स्पीडर फ्लाइंग बाइक बाजार में लाने की तैयारी शुरू हो गई है। जिस फ्लाइंग बाइक का परीक्षण किया जा रहा है वह 30 मिनट तक 96 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भर सकती है। जेटपैक एविएशन ने इसकी बुकिंग शुरू कर दी है। इसकी शुरुआती कीमत 3.15 करोड़ रुपए निर्धारित कर बुकिंग शुरू हो गई है।

वैज्ञानिकों ने चेताया कि चीन में कोरोना की लहर लगातार आती रहेगी खुद को तैयार रहना होगा

हांगकांग। चीन में कोरोना विस्फोट से लाखों लोगों के मारने की आशंका है। इस बीच वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि चीन को नए ओमिक्रॉन सब-वेरिएंट से बार-बार होने वाले कोविड संक्रमण के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार चीन में अब तक प्रमुख स्ट्रेन ओमिक्रॉन सबवेरिएंट्स बीए.5.2 और बीएफ.7 हैं। हालांकि पिछले दो महीनों में बीक्यू.1.1 और एक्सबीबी ऑमिक्रॉन वेरिएंट अमेरिका और यूरोप में फैल रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि यह अनुमान लगाया जा सकता है कि चीन में मौजूदा लहर के चरम पर पहुंचने के बाद एक्सबीबी बड़े पैमाने पर संक्रमण के एक नए दौर को शुरू करने के लिए देश में प्रवेश कर सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि चीन कोविड संक्रमण की कई लहरों का सामना करेगा क्योंकि ओमिक्रॉन वेरिएंट में परिवर्तन होता रहता है। चीन इस प्रवृत्ति का पालन करेगा और दुनिया के अन्य हिस्सों में देखी जाने वाली संक्रमण के वेव को दोहराएगा। इसकी कोई जानकारी नहीं है कि पुन- संक्रमण कितनी बार होता है और वे कितने गंभीर होते हैं। ओमिक्रॉन बहुत अधिक संक्रामक है और इसकी पुन-संक्रमण दर काफी अधिक होने की उम्मीद है। एक्सबीबी.1.5 के रूप में जाना जाने वाला एक नया संक्रमण अब कुछ अमेरिकी राज्यों विशेष रूप से न्यूयॉर्क में तेजी से फैल रहा है। एक्सबीबी.1.5 अब तक सबसे अधिक संक्रामक और प्रतिरक्षा-आक्रामक वेरिएंट में से एक है।

रुस में ग्लोरी स्क्वायर पर रुसी सैनिकों की याद में आयोजित समारोह में भाग लेते हुए लोग। ये सैनिक यूक्रेनी मिसाइल हमले का शिकार हुए थे।

बाइडन ने गार्सेटी को फिर भारत के अगले राजदूत के तौर पर नामित किया

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एरिक गार्सेटी को फिर भारत के अगले राजदूत के तौर पर नामित किया है। व्हाइट हाउस ने विश्वास व्यक्त किया है कि

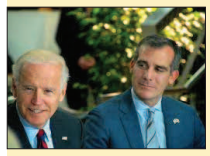

इस बार अमेरिकी सीनेट द्वारा उनके नाम की पुष्टि होगी। व्हाइट हाउस ने उनका नाम सीनेट के पास भेजने के बाद बयान में कहा कैलिफोर्निया के एरिक एम.गार्सेटी भारत में अमेरिका के राजदूत हो सकते हैं।'' व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन ज्यां-पियरे ने कहा '' जैसा कि विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंक ने हाल ही में कहा था कि भारत के साथ हमारे संबंध महत्वपूर्ण हैं लॉस एंजिलिस के पूर्व मेयर गार्सेटी को राष्ट्रपति जो बाइडन का करीबी माना जाता है। उन्होंने कहा कि मेयर गार्सेटी के नाम को पहले मंजूरी नहीं मिली थी उन्हें दोनों दलों का समर्थन हासिल है। ज्यां-पियरे ने कहा वह इस महत्वपूर्ण पद पर सेवा देने के लिए पूरी तरह से योग्य हैं। मेयर गार्सेटी और हमें उम्मीद है कि सीनेट उनके नाम की तुरंत पुष्टि करेगा। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति ने भारत के अगले राजदूत के तौर पर गार्सेटी को 2021 में नामित किया था। एक आंतरिक जांच के दौरान गार्सेटी के नाम की पुष्टि पर रोक लगा दी गई थी।

'ट्विटर फाइल्स' : नए खुलासे का चीन कनेक्शन, किसके दवाब में 2.5 लाख अकाउंट्स को किया गया बंद

लंदन (एजेंसी)। ट्विटर प्रमुख एलन मस्क ने 4 जनवरी 2002 को बीते वर्ष को याद करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया जब उन्हें टाइम मैगज़ीन का 'पर्सन ऑफ द ईयर' नामित किया गया। सोशल नेटवर्किंग साइट के नए बॉस ने पिछले साल फर्म का अधिग्रहण किया था। मस्क ने अपने 124.4 मिलियन फॉलोअर्स के लिए एक पोस्ट लिखा, ÷12 महीने पहले, मैं पर्सन ऑफ द ईयर था। एलन मस्क ने इसके अलावा कई चौंकाने वाले खुलासे किए। अमेरिकी सरकार ने करीब ढाई लाख अकाउंट को बंद करने की मांग की थी। ये अकाउंट पत्रकारों, कनाडाई अधिकारियों के थे। मस्क ने ट्विटर फाइल्स में इसका खुलासा किया, जिसे पत्रकार मैट टैबी ने सार्वजनकि कर दिया।

'ट्विटर फाइल्स' की नई रिलीज में दावा किया गया है कि सोशल नेटवर्किंग फर्म पर रूसी दखल की तलाश के लिए अमेरिकी सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने के लिए दबाव डाला गया था। ग्लोबल एंगेजमेंट सेंटर पर निशाना साधते हुए पत्रकार मैट टैबी ने कहा कि अमेरिकी सरकार के दबाव में ट्विटर ने लगभग 250,000 अकाउंट को

बंद कर दिया था। इनमें पत्रकारों से जुड़े खाते थे। कुछ अकाउंट्स कोरोना महामारी की उत्तपति पर सवाल उठाने वाले और दो या इससे अधिक चीनी राजनयिकों के खातों को फॉलो करने वाले थे।

टैबी के अनुसार अमेरिकी सरकार की तरफ से कोरोना वायरस को एक इंजीनियर जैव हथियार के रूप में वर्णित करना, वुहान संस्थान में किए गए शोध और वायरस की उपस्थिति के लिए सीआईए को जिम्मेदार ठहराना जैसे मानदंडों के आधार पर इन अकाउंट को सस्पेंड करने की मांग की थी। इसके अलावा रिपोर्ट में दो से अधिक चीनी राजनयिक खातों का अनुसरण करने वाले अकाउंट की एक सूची भी शामिल थी।

टैबी ने ट्विटर फाइल्स के खुलासों के तहत कहा था कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को सोशल मीडिया कंपनी के कर्मचारियों के दबाव के बाद डी-प्लेटफॉर्म किया गया था। बता दें कि अमेरिका की राजनीति में भूचाल मचाने वाली ट्विटर फाइल्स की अब तक कई कड़ियों को जारी किया जा चुका है, जिसे ट्विटर फाइल्स का नाम दिया गया है।

नासा के अपोलो-7 मिशन के अंतरिक्ष यात्री वॉल्टर कनिंघम का निधन

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अपोलो-7 मिशन के अंतरिक्ष यात्री वॉल्टर कनिंघम का निधन हो गया है। वह 90 वर्ष के थे। वॉल्टर कनिंघम नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के अपोलो कार्यक्रम के पहले सफल मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियान के चालक दल के अंतिम अंतरिक्ष यात्री थे, जो अभी तक जीवित थे। नासा के प्रवक्ता बॉब जैकब्स ने समाचार एजेंसी द एसोसिएटेड प्रेस के साथ बातचीत में वॉल्टर कनिंघम के निधन की पुष्टि की। लेकिन, उन्होंने इस संबंध में अधिक जानकारी नहीं दी।

अमेरिका से आर्थिक ममद पाने के लिए पाकिस्तान और टीटीपी में हुई सीक्रेट डील : अमरुल्ला सालेह

रावलपिंडी (ईएमएस)। पाकिस्तान की सेना अफगानिस्तान में घुसकर तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) के आर्तकियों पर कार्रवाई करने की तैयारी में है। पिछले कुछ दिनों से देश पर आतंकी हमले बढ़ते जा रहे हैं। इन हमलों में टीटीपी का हाथ होने की बात कही जा रही है। अफगानिस्तान की इंटेलीजेंस एजेंसी के मुखिया और देश के पूर्व उप-राष्ट्रपति रहे अमरुल्ला सालेह ने दावा किया है कि पाकिस्तान सिर्फ टीटीपी का प्रयोग कर रहा है। उसका मकसद अमेरिका की मदद हासिल करना है और इस मदद को हासिल करने के लिए वह इतना बड़ा खेल खेल रहा है।

टीटीपी ने पाकिस्तान की एजेंसियों को निशाना बनाने के लिए 150 आतंकी हमलों को अंजाम दिया है। ऐसा अमेरिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए किया जा रहा है। सालेह ने एक के बाद एक ट्वीट किए जिनमें उन्होंने पाकिस्तान की मंशा पर सवाल उठाए हैं। अमरुल्लाह सालेह ने अपने ट्वीट में लिखा है कि अमेरिका पर जब 9/11 हुआ तो कबायली मुखिया जिन्हें मालिक के तौर पर जाना जाता था उन्होंने फाटा में अमेरिका के साथ हाथ मिलाया था। उनके अमेरिका के साथ जाने के बाद एक खाली जगह बन गई और फिर पाकिस्तान की इंटेलीजेंस एजेंसी ने टीटीपी को तैयार किया।

अमेरिका को यह नहीं बताया गया कि पाकिस्तान आर्मी अफगान तालिबान हक्कानी और अल कायदा की मदद कर रही है। अमरुल्ला के मुताबिक टीटीपी अफगानिस्तान तालिबान के कवर के तौर पर प्रयोग की गई। इतना ही नहीं इस आतंकी संगठन से लड़ने के नाम पर पाकिस्तान ने सीआईए और पेंटागन से बड़ी आर्थिक मदद हासिल की। इन एजेंसियों को यह बताया गया कि फाटा में एक आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन चलाया जाना है। सालेह की मानें तो टीटीपी के नाम पर पाकिस्तान ने एक जाल बिछाया है। सालेह ने कहा है कि टीटीपी और रावलपिंडी ने हाथ मिलाया हुआ है और खैबर पख्तूनख्वां में इनकी नीतियों को ही आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने इस क्षेत्र से गायब हुए उन नेताओं का भी जिक्र किया जो पाकिस्तानी मिलिट्री के अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठा रहे थे।

अमेरिका के इतिहास में पहली बार किसी ट्रांसजेंडर महिला को दी गई सजा-ए-मौत, पूर्व प्रेमिका की हत्या का था आरोप

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के इतिहास में पहली बार किसी ट्रांसजेंडर महिला को मौत की सजा दी गई है। अधिकारियों ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में इस तरह के पहले निष्पादन में मंगलवार देर रात हत्या की दोषी एक ट्रांसजेंडर महिला को सजा-ए-मौत दे दी। राज्य जेल विभाग के एक बयान के अनुसार 49 वर्षीय एम्बर मैकलॉघलिन को बोने टेरे, मिसौरी शहर में डायग्नोस्टिक एंड करेक्शनल सेंटर में स्थानीय समयानुसार शाम 7 बजे के करीब मृत घोषित कर दिया गया। स्थानीय समाचार स्टेशन फॉक्स2नाउ ने बताया कि मैकलॉघलिन की मौत घातक इंजेक्शन देने से हुई।

न्यूज एजेंसी के अनुसार अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है कि किसी ट्रांसजेंडर महिला को पहले मौत की सजा सुनाई गई और फिर उसे मौत की सजा दी गई। वाशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार लैंगिक पहचान इस मामले के लिए केंद्रीय नहीं था. साथ ही यह मामला साल 2023 का पहला मामला होगा, जिसमें आरोपी को इंजेक्शन से मौत दी गई है। बता दें कि मैक्लॉघलिन को

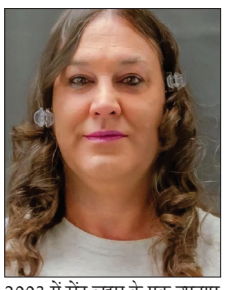

2003 में सेंट लुइस के एक उपनगर में एक पूर्व प्रेमिका की हत्या का दोषी ठहराया गया था।

क्या था पूरा मामला

लिंग परिवर्तन कराने से पहले एम्बर मैकलॉघलिन अपनी प्रेमिता बेवर्ली गुएन्थर के साथ रिलेशनशिप में थी। एक समय बाद दोनों के रिश्तों में खटास आ गई। जिसके बाद एम्बर से उसकी प्रेमिका ने दूरी बना ली। लेकिन फिर भी एम्बर उससे दूर जाने की बजाए अपनी पूर्व प्रेमिका का पीछा करने लगी। कभी वो उसके ऑफिस जाकर उसका पीछा करती तो कभी घर तक पहुंच जाती। इसके बाद नबंर 2003 में एम्बर ने अपनी पूर्व प्रेमिका की हत्या कर दी।

प्रतिशोध की वजह से नहीं अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए चीन पर लगाए गए कोरोना प्रतिबंध: अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कराइन जीन-पियरे ने कहा कि गंभीर रूप से कोरोना संकट से जूझ रहे चीन से आने वाले यात्रियों पर कई देशों द्वारा कोविड प्रतिबंध लगाए जाने पर ऐसा कोई कारण नहीं है कि बीजिंग को अमेरिका और अन्य देशों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करनी चाहिए। कोरोना संक्रमण के कारण अमेरिका सहित कई देशों द्वारा थोपे यात्री प्रतिबंधों पर चीन से आई प्रतिक्रियाओं पर व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ने कहा कि संक्रमण में वृद्धि के बीच सार्वजनिक स्वास्थ्य के आधार पर विवेकपूर्ण उपाय किए गए हैं।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कराइन जीन-पियरे ने चीन से आने वाले यात्रियों पर प्रतिबंध लगाने के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि 'यहां प्रतिशोध का कोई कारण नहीं है क्योंकि दुनिया भर के देश अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए विवेकपूर्ण उपाय कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह निर्णय सार्वजनिक स्वास्थ्य और विज्ञान पर आधारित है। आपको बात दें कि अमेरिका के साथ ही चीन के यात्रियों पर ऐसे ही कोविड प्रतिबंध जापान यूके और फ्रांस जैसे अन्य देश भी लगा रहे हैं। प्रेस सचिव कराइन जीन-पियरे ने आगे कहा विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी चीन से अधिक डेटा जारी करने का आह्वान किया है जो किसी भी संभावित वेरिएंट की फिर से पहचान करने के लिए महत्वपूर्ण है। अमेरिका के मुताबिक यह निर्णय उन्होंने अपने नागरिकों के हित में लिया है। आपको बता दें कि फिलहाल चीन से अमेरिका में आने वाले सभी यात्रियों को कोविड-19 रिपोर्ट प्रस्तुत करने की आवश्यकता होगी।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने नए सदस्यों का स्वागत किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। इक्वाडोर, जापान, माल्टा, मोजाम्बिक और स्विटजरलैंड का मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में औपचारिक स्वागत किया गया। दो साल के कार्यकाल के लिए ये देश जून में निर्विरोध चुने गए थे। कजाकिस्तान ने 2018 में जो परंपरा शुरू की थी, उसमें पांच देशों के राजदूतों ने मंगलवार को परिषद कक्षों के बाहर अन्य सदस्यों के साथ अपने राष्ट्रीय झंडे लगाए। मोजाम्बिक के राजदूत पेड्रो अफोंसो कोमिसारियो ने इसे ''एक ऐतिहासिक तारीख'' बताया और स्विट्जरलैंड के राजदूत पास्कल

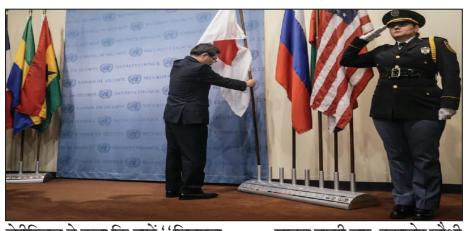

बेरीस्विल ने कहा कि उन्हें ''विनम्रता और जिम्मेदारी की गहरी भावना'' महसूस हुई क्योंकि उनके देशों ने संयुक्त राष्ट्र की सबसे शक्तिशाली संस्था पर अपनी पहली शर्तों को चिह्नित किया।

माल्टा दूसरी बार, इक्वाडोर चौथी और जापान रिकॉर्ड 12वीं इसमें शामिल हुआ। चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका समूह के स्थायी, वीटो वाले सदस्य हैं। इसके 10 अन्य सदस्यों को 193 देशों की महासभा द्वारा दो साल की अवधि के लिए चुना जाता है। कई देशों के लिए परिषद की सीट जीतना एक विशिष्ट कूटनीतिक उपलब्धि मानी जाती है जो एक राष्ट्र के वैश्विक कद को बढ़ा सकता है और छोटे देशों को एक बड़ी आवाज प्रदान कर सकती है। पांच नवीनतम सदस्य भारत, आयरलैंड, केन्या, मैक्सिको और नॉर्वे की जगह ले रहे हैं। इनका कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो गया था। अन्य वर्तमान दो-वर्षीय कार्यकाल वाले सदस्य अल्बानिया, ब्राजील, गैबॉन, घाना और संयुक्त अरब अमीरात हैं।

अपने देशवासियों को टोक्यो छोड़कर जाने को क्यों कह रहा जापान, दिया लाखों रुपए का ऑफर

टोक्यो (एजेंसी)। देश में जनसंख्या संतुलन को बनाए रखने की कोशिश में जापान सरकार जुटी है। जापान में राजधानी टोक्यो से बाहर जाने वाले परिवारों को विशेष ऑफर दिया जा रहा है। जापान सरकार की तरफ से घोषणा की गई है कि जो परिवार टोक्यो को छोड़कर कहीं और रहने का विकल्प चुनते हैं तो उन परिवारों को प्रति बच्चा दस लाख येन की पेशकश की जाएगी। जिसे एक प्रमुख प्रोत्साहन के रूप में देखा जा रहा है। गार्जियन ने जापानी मीडिया के हवाले से बताया कि पुनर्वास शुल्क प्रोत्साहन इस साल अप्रैल में पेश किया जाएगा, जो सरकार की ओर से लोगों को देश के छोटे शहरों और गांवों की ओर शिफ्ट करने के लिए दिया जा रहा है।

कोविड महामारी के कारण, टोक्यो की आबादी पिछले साल पहली बार कम हुई थी, लेकिन जापान के नीति निर्माताओं का मानना ??है कि शहर में जनसंख्या घनत्व को कम करने के लिए बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। उनका यह भी मानना ??है कि इस तरह का कदम लोगों को देश के ÷अनफैशनेबल÷ हिस्सों में रहने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक है, जो व्यापक प्रवासन के बीच सिकुड़ती आबादी से गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं।

यह भुगतान लगभग तीन मिलियन येन की वित्तीय सहायता के अतिरिक्त है जो पहले से ही समान उद्देश्य के लिए परिवारों को उपलब्ध है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टोक्यो और साइतामा, चिबा और कानागावा के 23 ÷कोर÷ वार्डों में रहने वाले परिवारों को यह दिया जाएगा। नियम बताते हैं कि लाभ प्राप्त करने के लिए, परिवारों को ग्रेटर टोक्यो क्षेत्र से बाहर जाना चाहिए। कुछ परिवारों को पर्वतीय क्षेत्रों में स्थानांतरित होने पर भी भुगतान प्राप्त हो सकता है, इस योजना में लगभग 1,300 नगरपालिकाएं, राज्य शामिल हुए हैं। इसके अलावा, परिवारों को अपने नए घरों में कम से कम पांच साल तक रहना चाहिए और इस अवधि के दौरान घर के एक सदस्य को काम पर होना चाहिए।

संपादकीय

लक्षित हिंसा

पाक सीमा से लगे जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में हाल की लक्षित हत्याएं इस केंद्र शासित प्रदेश में गंभीर होती स्थिति को दर्शाती हैं। रविवार को डांगरी गांव में फायरिंग में चार लोगों की हत्या व कई लोगों के घायल होने से देश सहमा हुआ था कि अगले दिन इसी गांव में बम धमाके से हुई एक बच्चे की मौत ने आतंकवादियों के दुस्साहस की बानगी दिखा दी। आतंकवादियों ने गांव में आधार कार्ड देखकर लोगों को निशाने पर लिया और जमकर फायरिंग की। फिर अगले दिन आईईडी ब्लास्ट किया। ग्रामीणों का आतंकित होना स्वाभाविक है जब उन्हें घर में घुसकर मारा जा रहा हो। निस्संदेह, मामले में खुफिया सूचना व सुरक्षा चौकसी में कहीं न कहीं कमी जरूर रही है, जो आतंकी अगले दिन बम ब्लास्ट करने में कामयाब रहे। इससे कुछ सप्ताह पूर्व राजौरी में सेना के कैंप के बाहर दो लोगों की हत्या हुई थी। तभी सुरक्षा बलों की तरफ से चौकसी बढ़ा देनी चाहिए थी। यह भी गंभीर चिंता का विषय है कि ये घटनाएं उस राजौरी क्षेत्र में हुई हैं, जिसमें आतंकवादी घटनाएं कम ही देखने में आती थीं। हाल के महीनों में सार्वजनिक स्थानों पर आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने के ट्रेंड के बजाय जिस तरह से संप्रदाय विशेष के लोगों को गोलियों का शिकार बनाया जा रहा है, वह एक गंभीर मसला है। यह जहां कानून-व्यवस्था की विफलता का मामला है वहीं केंद्र की उन नीतियों की सार्थकता पर सवाल उठाता है, जिसमें बड़े व्यवस्थागत बदलावों के बाद शांति स्थापना का दावा किया गया था। खासकर जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाली धारा 370 की समाप्ति के बाद। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि ऐसे माहौल में राज्य में लोकतांत्रिक व्यवस्था स्थापना के लक्ष्य हासिल हो पाएंगे? जाहिर बात है कि कभी कश्मीरी पंडितों तो कभी बाहरी कामगारों को निशाना बनाकर आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में सांप्रदायिक विभाजन की साजिश रच रहे हैं। जिसमें उन्हें सीमापार से हथियार व अन्य संसाधन उपलब्ध कराये जा रहे हैं। दरअसल, जम्मू-कश्मीर में अलगाव के प्रतीक बताये जा रहे विशेष दर्जे के समाप्त होने के बाद उम्मीद लगायी जा रही थी केंद्रीय शासन में अलगाववादी ताकतों का शमन होगा। आतंक से मुक्ति के बाद आने वाली विकास की बयार से केंद्र शासित प्रदेश राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ सकेगा। निस्संदेह, केंद्र व केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक के प्रयासों पर आतंकवादी घटनाएं पानी फेरती हैं। खासकर यूटी में चुनावी प्रक्रिया को मूर्त रूप देने के प्रयासों को भी इन घटनाओं से झटका लगेगा। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में विदेश मंत्री ने तमाम वैश्विक मंचों पर पाक के आतंकवादियों को संरक्षण देने के कुत्सित प्रयासों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। साथ ही यह भी कि आतंकवाद को प्रश्रय देना पाक के सत्ता प्रतिष्ठानों की रणनीति का हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र में भी उन्होंने पाक को आतंकवाद का केंद्र बताया था। इसके बावजूद पाक पिछले सात दशक से भारत को लहूलुहान करने की साजिशों से बाज नहीं आ रहा है। अपने कूटनीतिक स्वार्थों के पोषण के लिये अमेरिका जिस तरह का गेम खेल रहा है, उससे पाकिस्तानियों के हौसले बढ़े हैं। दुनियाभर में आतंकवाद के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले अमेरिकी हुकमरान आखिर क्यों नहीं पाक को आतंकवादियों की मदद करने से रोकते। बीते साल पाक के साथ एफ-16 को लेकर किया गया समझौता बताता है कि अमेरिका दोरंगी चाल चलकर पाक के निरंकुश मंसूबों को समर्थन ही दे रहा है। बहरहाल, इतना तय है कि जम्मू-कश्मीर में लंबित विधानसभा के चुनाव कराने के लिये शांति व्यवस्था बनाना जरूरी है। भारत को पाक के मंसूबों को समझते हुए उसके खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मोर्चा खोल देना चाहिए।

हमें नहीं भूलनी चाहिए अकर्मण्यता की कीमत

कह सकते हैं कि अतिवादियों के उद्भव के बाद उदारवादी राजनेता हाशिये पर चले गए और तार्किक आवाजों के बंद होने के बाद शून्यता बनी और आम आदमी के मानस में भी मोह-भंग भरने लगा था। सरकारों का प्रतिकर्म बेहद सख्ती वाला रहा और इसका सीधा असर पड़ा प्रत्येक लोक कल्याण पहलू पर, चाहे यह स्वास्थ्य-शिक्षा हो या प्रति व्यक्ति आय आदि। ठीक इसी दौरान, समांतर घटनाक्रम में श्रमिक संगठनों की गतिविधियों में ह्रास हुआ।

गुरबचन जगत

पंजाब के उपलब्ध आंकड़ों पर सरसरी निगाह आपको बताने को काफी है कि कभी समृद्ध रहे इस सूबे की अधोगति कितनी रही। 1960-70 और 1980 के दशक के आरंभिक सालों तक भी, सकल घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय सूची में पंजाब अव्वल रहा, पर आज निचले पायदानों पर है। यह 'उपलब्धि' हमारे नेताओं ने कैसे प्राप्त की और वह भी ऐसे वक्त पर, जब बाकी सूबे आर्थिक उदारवाद के बाद आगे बढ़ रहे थे? पंजाब का आर्थिक पतन दो दशकों की छोटी अवधि में अधिक हुआ, जब केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति शासन के अधीन राजकाज चलाया और फिर हालात सामान्य होने पर चुनी हुई सरकारों ने। इस पूरी अवधि में कांग्रेस और अकाली-भाजपा गठबंधन सत्तारूढ़ रहा। इस 'उपलब्धि' का श्रेय यह तीनों ले सकते हैं। मौजूदा सरकार के सत्तासीन होने के पीछे बड़ा कारक प्रभावशाली किसान आंदोलन रहा। यह प्रतिष्ठान को नकारकर, बदलाव के पक्ष में मतदान करने का प्रेरक बना। पंजाब की अधोगति के लिए बहुत से कारक हैं, कुछ स्व-निर्मित, कुछ जो सशस्त्र आंदोलन के दौरान विदेशी ताकतों की शह से बने। कह सकते हैं कि अतिवादियों के उद्भव के बाद उदारवादी राजनेता हाशिये पर चले गए और तार्किक आवाजों के बंद होने के बाद शून्यता बनी और आम आदमी के मानस में भी मोह-भंग भरने लगा था। सरकारों का प्रतिकर्म बेहद सख्ती वाला रहा और इसका सीधा असर पड़ा प्रत्येक लोक कल्याण पहलू पर, चाहे यह स्वास्थ्य-शिक्षा हो या प्रति व्यक्ति आय आदि। ठीक इसी दौरान, समांतर घटनाक्रम में श्रमिक संगठनों की गतिविधियों में ह्रास हुआ। यूके, यूरोप और कुछ हद तक अमेरिका में श्रमिक संघ वर्तमान में भी सक्रिय हैं। यूके में आज की तारीख में रेलवे, परिवहन, नर्सिंग, आव्रजन स्टाफ समय-समय पर हड़तालें करते हैं जिससे सेवाओं में भारी बाधा आती है। लेकिन जनता में इनको लेकर रोष नहीं हैं क्योंकि श्रमिक संगठन की संरचना आम लोगों से है और वे उनकी शिकायतों को परिलक्षित करते हैं। कर्मियों की जागरूकता से यूनियनें बनती हैं। जिससे कामगारों का सरकारों से और बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों से राब्ता बना रहता है। लेकिन भारत में पिछले कुछ वक्त से श्रमिक संघों की गतिविधियों में बहुत कमी आई है। पहले, लगभग हर राजनीतिक दल का अपना एक अलग प्रकोष्ठ था, जैसे कि किसान, छात्र, शिक्षक, बैंककर्मी, रेलवे और परिवहन कामगार संघ आदि। सच तो यह है कि 1960-70 के दशक में पुलिस का ज्यादा काम अनेकानेक यूनियनों के आंदोलनों का सामना करने का हुआ करता था। यूनियनों के बीच अपनी गतिविधियों को ज्यादा प्रखर दिखाने की होड़ हुआ करती थी, क्योंकि अधिकांश का संबंध अलग-अलग राजनीतिक दलों से था। आम आदमी को दरपेश मुश्किलों को अभिव्यक्ति देने में श्रमिक संगठन एक जरिया बनते थे और इन्हें सरकार तक पहुंचा पाते थे। हालांकि यह कहना भी सही है कि सभी यूनियन गतिविधियां पवित्र उद्देश्य से नहीं थीं, कई बार वे गैर-वाजिब मांगें करके सरकारों को ब्लैकमेल करने का यत्न सेवाओं को बाधित करके किया करतीं। आज लोग इंटरनेट के जरिए अपनी समस्याओं और सरकार की भूमिका को लेकर ज्यादा जागरूक हैं। उन्हें कॉर्पोरेट जगत की मजबूत होती जकड़, ठहर चुकी अर्थव्यवस्था, मुद्रास्फीति आदि के बारे में पता है। लेकिन तगड़े श्रमिक संघ की अनुपस्थिति, मीडिया एवं राजनीतिक दलों की इस ओर रुचि न होने से सरकारों को संगठित विरोध का सामना नहीं करना पड़ रहा। इस बेचारगी ने लोगों के पास यही चारा छोड़ा कि झंडा खुद बुलंद करें। इसका नज़ारा हमें दिल्ली के प्रवेश द्वारों पर चले किसान आंदोलन में देखने को मिला। वहां अनेकानेक किसान संगठन थे, अपने-अपने इलाके में सक्रिय किंतु विचारधारा से बंटे हुए। केंद्र सरकार द्वारा थोपे अनुचित कृषि कानूनों ने किसानों को आक्रोशित किया। तमाम राजनीतिक दल उनका मुद्दा उठाने में विफल रहे और या तो उन्होंने चुप रहना चुना या निर्लिप्त रहना। एक बार दिल्ली कूच शुरू हुआ तो यह प्रदर्शन का एक दरिया बन गया और आगे चलकर सैलाब का रूप धर लिया, लगभग एक मिशन सरीखा। लोगों की जागरूकता और दमित पड़े भावनात्मक उबाल के बाहर निकलने ने सबको चौंका डाला, यहां तक कि आपस में बंटे हुए किसान संगठनों को एका करने पर मजबूर होना पड़ा और एक 'साझा मोर्चा' उभरकर आया। मूल मुद्दा उनके निजी अहम से ऊपर हो गया और लोगों ने भी उनपर पैनी नज़र बनाए रखी। बहुत सी अफवाहें उड़ी कि फलां किसान नेता अंदरखाते सरकार से मोल-तोल कर रहा है, खासकर पंजाब में होने वाले चुनावों के दृष्टिगत, लेकिन एकता बनी रही। चरमपंथियों द्वारा मोर्चे का अपहरण किए जाने के यत्न भी हुए, लेकिन तमाम ऐसे प्रयास सफलतापूर्वक विफल कर दिए गए। गर्मी, मानसून और ठंड में भी किसान अड़े रहे, जरा झुकने को तैयार नहीं। चूंकि वे जागरूक थे, जानकार भी, यहां तक कि राजनीतिक मदद बगैर सफल हो पाए। पंजाब में चुनाव आ गए, भितरघात शुरू हुआ और आपसी एकता जाती रही। हालांकि लोगों ने अपने मानस में एक के सिवा तमाम दलों को नकारकर झाड़ू फेरने का मंसूबा बना लिया था। एक नई जागरूकता की उम्मीद जगी। वादों और कारगुजारी के बीच सदा अंतराल रहा है, किसान इसको समझ चुके हैं, शहरी गरीब भी यह जान चुका है। सब्र और सहनशक्ति की खूबी उसके खून में है। लेकिन जब हल वाकई न निकलता दिखे तो समस्या वहीं है, वह जो हो सकता है मेरे-आपके लिए छोटी हो पर भुक्तभोगियों के लिए उतनी नहीं। उन्हें तो हल चाहिए, न कि कमेटियां। सरकार की कारगुजारी और राजनीतिक मदद की अनुपस्थिति वाली यह स्थिति स्थानीय लोगों को खुद ही कुछ कर गुजरने को आमादा करती है। इसकी एक मिसाल फिरोज़पुर का मंसूरवाला प्रसंग है, जहां पर एक शराब की फैक्ट्री से निकलते प्रदूषित जल के मुद्दे को लेकर काफी समय से रोष धधक रहा था। स्थानीय लोगों ने प्रदूषित जल से पैदा हुई बीमारियां, कैंसर मामलों में वृद्धि, फसलों को नुकसान आदि को लेकर स्थानीय प्रशासन से शिकायतें की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं। मुझे उम्मीद थी कि खुद उपायुक्त मौका मुआयना करते, लोगों से जानकारी लेते, सरकार को अपना आकलन पहुंचाते और तुरंत कोई कार्रवाई अमल में लाई जाती। ऐसा कुछ नहीं हुआ। सरकार की ओर से स्पष्टता और राहत न पाकर लोगों के डर में इजाफा हुआ। जनता लामबंद हुई और कुछ किसान संघ भी इस आंदोलन में कूद पड़े। एक 'मोर्चा' शुरू हो गाया और सैकड़ों लोग समर्थन के लिए धरने पर आकर बैठने लगे। सरकार ने पुरानी समयसिद्ध चाल चलते हुए कई जांच कमेटियां गठित कर दीं जिन्हें 'मौका मुआयना करने के बाद, यदि कोई समस्या वाकई है' तो अपने उपाय सुझाने थे। जनता चूंकि जागरूक है, सो दृढ़निश्चयी बनी हुई है और सरकार को चाहिए था कि पारदर्शिता और निर्णायकता बरतते हुए त्वरित कार्रवाई करती, 2000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की तैनाती करना कोई हल नहीं। लेकिन इस सबके बीच विपक्षी दल कहां हैं? ऐसा क्यों है कि तंग आकर लोगों को अतिशयी कदम उठाने की नौबत बने- फैक्टरी की नाकाबंदी और काम रुकवा देना। लेकिन फिर लोगों के पास और विकल्प भी क्या है? नौकरशाह, जैसा कि हम जानते हैं, लालफीताशाही से बंधे हैं, जैसा कि होता आया है न्यायपालिका भी उदासीन नजर आती है... फिर लोग जाएं तो जाएं कहां? शुरुआत सदा प्रदर्शनों से होती है जो आगे जाकर क्या रूप धर लें यह कुछ पता नहीं। एक बारगी जनता सड़कों पर आ जाए तो संभव है तथ्यों की जगह अफवाहें ले लें और यही अफवाहें आगे त्रासदी में तब्दील हो जाती हैं।

आज का राशीफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

विश्व पंछी दिवस

(5 जनवरी/ लेखक - विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

विश्व पंछी दिवस हर वर्ष 5 जनवरी के दिन मनाया जाता है। पक्षी प्रेमी पक्षी रक्षक पर्यावरणविद और प्रकृति प्रेमी इस दिन को बहुत ही उत्साह से मनाते हैं। एवियन वेलफेयर संगठन और बॉर्न फ्री यूएसए ने वर्ष 2002 से विश्व पंछी दिवस मनाना शुरू किया था। हर वर्ष पक्षियों की प्रजातियों के विलुप्त होने के आंकड़ों को देखते हुए पक्षियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए विश्व पक्षी दिवस मनाया जाता है। विश्व पंछी दिवस का उद्देश्य लोगों को पंछियों के महत्व के बारे में जागरूक करना भी है। ताकि हर आदमी पंछियों के संरक्षण के लिए आगे आए और प्रयास करें। विश्व पंछी दिवस के माध्यम से एक अवसर और एक मंच प्रदान करना भी है जिससे की पंछियों की वर्तमान स्थिति के विषय में जागरूकता फैलाई जा सके।

भारत में पंछी दिवस

भारत में विश्व पंछी दिवस के अलावा हर वर्ष 12 नवंबर को राष्ट्रीय पक्षी दिवस भी मनाया जाता है। भारत मैं राष्ट्रीय पक्षी दिवस सलीम अली नामक सुप्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी के जन्म दिवस के अवसर पर मनाया जाता है। सलीम अली जी के पक्षियों के प्रति प्रेम को देखकर इनको 卐पक्षी मानव卐 का नाम भी दिया गया है। सलीम अली जी ने यह चिंता जाहिर की है कि अगर पर्यावरण प्रदूषण का स्तर ऐसे ही बढ़ता रहा तो पक्षियों की प्रजातियां और उनकी संख्या ऐसे ही घटती रहेगी। ऐसे में जरूरत है एक अच्छे पर्यावरण की जोकि सभी जीव जंतुओं और पक्षियों के लिए अनुकूल हो और ऐसा तभी हो सकता है जब देश का हर नागरिक पक्षियों की स्थिति के विषय में जागरूक हो और पक्षियों के संरक्षण के लिए प्रयास करें।

पंछियों का जीवन में महत्व

आज के भागदौड़ भरे अपने व्यस्त जीवन में हर आदमी तनाव से घिरा हुआ है। तनाव से दूर रहने के लिए या तनाव को भगाने के लिए हर व्यक्ति अलग-अलग उपाय करता है। इन सब उपायों में एक उपाय ऐसा भी है जो पक्षियों से जुड़ा है। कुछ लोग तनाव दूर करने के लिए पक्षियों का अवलोकन करते हैं और कुछ लोगों का तो 卐बर्डवाचिंग卐 का शौक होता है। जब हम अपने आसपास पक्षियों को चह - चहाते उड़ते या फुदकते हुए देखते हैं तो यह हमारे मन को बहुत शांति प्रदान करता है।

हम अपने व्यस्त समय के चलते पक्षियों को अनदेखा कर देते हैं। लेकिन जो लोग इस तरह से पक्षियों को निहारते हैं और उनकी गतिविधियों को शांति से देखते हैं या फिर कैमरे में कैद कर लेते हैं उन्हें यह सब करके बहुत शांति की अनुभूति होती है। कोई पक्षी अपना घोंसला बनाने में लगा होगा कोई अपना खाना-पीना तलाश कर रहा होगा कोई मस्ती से चहक रहा होगा किन्ही पक्षियों में मासूम तकरार हो रही होगी इस तरह की पक्षियों की हरकतें आपके मन को शांत आनंदित और तनाव से मुक्त कर देंगी। लेकिन पर्यावरण प्रदूषण और जंगलों की कटाई की वजह से पक्षियों की संख्या में भारी गिरावट आ रही है और पक्षियों की प्रजातियां भी विलुप्त हो गई है या विलुप्त होने की कगार पर है। इसलिए हर आदमी को पक्षियों की रक्षा की छोटे से छोटे स्तर पर जिम्मेवारी लेनी चाहिए ताकि पक्षियों को खत्म होने से रोका जा सके। हमें उन सब कार्यों से भी बचना चाहिए जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता हो और जंगलों की कटाई होती हो क्योंकि यह दो मुख्य कारण हैं पक्षियों की संख्या में गिरावट के।

भारत में विलुप्त हो रहे कुछ पक्षियों के नाम निम्नलिखित हैं:-

- लाल सिर वाला गिद्ध
- ग्रेट साइबेरियन क्रेन
- जंगली उल्लू
- गोडावण
- सफेद पेट वाला बगुला
- सफेद पेट वाला गिद्ध
- चम्मच की चोंच वाला टिटहरी
- जेरडोंस करसर
- चरस (बंगाल फ्लोरिकन)
- हिमालयी बटेर (हिमालयन क्रेल)

विचार मंथन

आरक्षण पर उ.प्र. सरकार सुप्रीम कोर्ट में

राज्य सरकारें और केंद्र सरकार अपने राजनीतिक फायदे के लिए कुछ इस तरीके के निर्णय लेते है। जो विवादों में आ जाएं सरकार जो चाहती है वह अदालत के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से हासिल कर लिया जाए। पिछले कुछ वर्षों से चुनाव टालने के लिए राज्य सरकारें आरक्षण और परिसीमन के निर्णय ठीक चुनाव के पहले लेती है। यही सहकारिता के क्षेत्र में चुनाव आने पर भी किया जाता है। इसके बाद लोग न्यायालय की शरण में जाते है। फिर हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट का सिलसिला शुरू होता है। इसमें चुनाव टल जाते है। सरकार जो चाहती थी वह हो जाता है। सरकार भी अपनी जिम्मेदारी से बची रहती है। केंद्र सरकार को दिल्ली नगर निगम के चुनाव टालने थे। चुनाव नजदीक आते ही 3 नगर निगमों को 1 नगर निगम बनाकर परिसीमन के नाम पर कई महीनों तक दिल्ली नगर निगम के चुनाव टाल दिए गए। जबकि चुनाव समय पर कराने के लिए केंद्र सरकार जो निर्णय लेना चाहती थी। चुनाव के 6 महीने अथवा 1 साल पहले ले सकती थी। इसी तरह लगभग सभी राज्य सरकारों द्वारा स्थानीय चुनाव सहकारिता के चुनाव और अन्य ऐसे मामले जो सरकार के लिए मुफीद नहीं होते है। उनके बारे में इसी तरह के निर्णय येन समय पर किए जाते है। पीड़ित या प्रभावित पक्ष इस निर्णय के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर करता है। वहां से जो भी निर्णय होता है। दूसरा पक्ष सुप्रीम कोर्ट चला जाता है। सरकार जब तक चाहती है। तब तक मामला न्यायालयों में लटका रहता है। जो नियम कायदे कानून का कंपल्शन था वह न्यायालय के स्टे की आड़ में टलता रहता है। हाल ही में उत्तर प्रदेश की सरकार ने नगरीय निकायों के चुनाव कराने के लिए आरक्षण मैं परिवर्तन किया इसको लेकर लोग उत्तर प्रदेश हाईकोर्ट में चले गए। हाईकोर्ट ने जो फैसला दिया उससे उत्तर प्रदेश सरकार सहमत नहीं हुई। उत्तर प्रदेश सरकार ने अब सुप्रीम कोर्ट में अपील कर दी है। इस अपील की सुनवाई होने और निर्णय आने तक यह मामला टलता रहेगा। कानूनी लड़ाई में सरकार यदि तत्परता नहीं दिखाएगी तो यह मामला कई माह तक टलता रहेगा। चुनाव निर्धारित समय पर नहीं होंगे। स्थानीय सत्ता अधिकारियों के पास चली जाएगी। विभिन्न राजनीतिक दलों और विभिन्न सरकारों द्वारा न्यायालय में अपने राजनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए इस तरह के विवादित फैसले समय-समय पर किए जाते है। जिसके कारण कानूनी बाध्यता होते हुए भी समय पर चुनाव नहीं हो पाते हैं। नियुक्तियां और प्रमोशन नहीं हो पाने जैसे लाखों मामले न्यायालयों में लंबित हैं। देश में 5 करोड़ के लगभग मामले न्यायालयों में लंबित है। इन सारे मामलों में लगभग 80 फीसदी मामले सरकार के इसी तरह के निर्णय से संबंधित होते है। शासन स्तर पर या प्रशासनिक स्तर पर जो निर्णय किए जाते है। पीड़ित पक्ष न्याय के लिये न्यायालय में चला जाता है। कई वर्षों और दशकों तक यह मामले न्यायालयों में लंबित बने रहते हैं। आरक्षण को लेकर मध्यप्रदेश में पिछले कई वर्षों से प्रमोशन नहीं हुए अधिकारी और कर्मचारी रिटायर्ड हो गए। पूरा कैडर बिखर गया। नई नियुक्तियां नहीं हो पाई। यह सब राजनीतिक दृष्टि से लिए गए निर्णय और उन्हें लंबित बनाए रखने के पीछे राजनीतिक लाभ और हानि से जोड़कर देखा जाता है। जब सरकार ही न्यायालयों का राजनीति हितों में उपयोग करने लगे तो न्यायपालिका कैसे लंबित मामलों की सुनवाई समय पर कर पाएगी। 5 करोड़ लंबित मामलों को लेकर सरकार भी न्यायपालिका को ही जिम्मेदार ठहरा रही है। न्यायपालिका के ऊपर दिनोंदिन जिस तरीके से सरकारी दबाव और सरकारी आदेशों के खिलाफ मामले बढ़ रहे हैं। सुनवाई और फैसलों में सरकार का दबाव दिख भी रहा है। न्यायपालिका के लिए सरकार या आम आदमी दोनों ही पक्ष बराबर हैं। न्यायालयों के सामने सरकार सक्षम वर्ग में आती है। आम आदमी सरकार के सामने एक निर्बल भूमिका में होता है। न्यायालयों का संरक्षण निर्बल वर्ग के लिए भी होना चाहिए जो अब होता हुआ नहीं दिखता है। यह चिंता की बात है।

उत्तराखंड की वह जगह जहाँ लंका दहन के बाद हनुमान जी ने बुझाई थी अपनी पूँछ की आग

देवभूमि कहा जाने वाला उत्तराखंड राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, खूबसूरत नज़ारों व इतिहास को लेकर दुनियाभर में मशहूर है। उत्तराखंड में कई प्राचीन पहाड़, गंगा-यमुना सहित कई खूबसूरत जगहें हैं। माना जाता है कि इन चोटियों पर देवी-देवताओं के कई रहस्य और कहानियां छिपी हुई हैं। ऐसी ही एक रहस्यमई चोटी उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित बंदरपूंछ ग्लेशियर में भी है। आइए जानते हैं इसके बारे में-

रामायण काल है संबंध

बंदरपूंछ का शाब्दिक अर्थ है - 'बंदर की पूंछ'। यह एक ग्लेशियर है जो उत्तराखंड के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित है। यह ग्लेशियर समुद्र तल से लगभग 6316 मीटर ऊपर स्थित है। इसका ग्लेशियर का संबंध रामायण काल से माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब लंकापति रावण ने भगवान हनुमान की पूंछ पर आग लगाई थी तो उन्होंने पूरी लंका में आग लगा दी थी। इसके बाद हनुमान जी ने इस चोटी पर ही अपनी पूंछ की आग बुझाई थी। इसी कारण इसका नाम बंदरपूंछ रखा गया। यही नहीं, यमुना नदी का उद्गम स्थम यमुनोत्री हिमनद भी बंदरपूंछ चोटी का हिस्सा माना जाता है।

बंदर पूंछ में तीन चोटियां हैं - बंदरपूछ 1, बंदरपूंछ 2 और काली चोटी भी स्थित है। यमुना नदी का उद्गम बंदरपुंछ सर्किल ग्लेशियर के पश्चिमी छोर पर है। बंदरपूंछ ग्लेशियर गंगोत्री हिमालय की रेंज में पड़ने वाला है। इस ग्लेशियर पर सबसे पहली चढ़ाई मेजन जनरल हैरोल्ड विलयम्स ने साल 1950 में की थी। इस टीम में महान पर्वतारोही तेनजिंग नोर्गे, सार्जेंट रॉय ग्रीनवुड, शेरपा किन चोक शेरिंग शामिल थे।

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने का सही समय

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए सबसे अच्छा समय मार्च से लेकर अक्तूबर का महीना माना गया है। वहीं, अगर आप यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो मई और जून का महीना बेस्ट रहेगा।

उठा सकते हैं ट्रैकिंग का लुत्फ

सैलानी यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ भी उठाते हैं। इस दौरान आप ट्रैकिंग के रास्ते पर बसंत ऋतु के कई फूल देख सकते हैं। इसके अलावा आपको कई जानवरों की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिल सकती है। बता दें कि बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए आपको देहरादून जाना पड़ेगा। वहां से आप उत्तरकाशी के लिए गाड़ी लेकर ग्लेशियर पहुँच सकते हैं।

जंगली गुलाबों से सजी है लद्दाख की यह घाटी

खूब लुत्फ उठाते हैं देश-विदेश के पर्यटक

लेह-लद्दाख अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खूबसूरती के लिए देश ही नहीं दुनियाभर में प्रसिद्ध है। लद्दाख को भारत का मुकुट कहा जाता है। लद्दाख में बहुत से पर्यटक स्थल हैं। आज हम आपको लद्दाख में स्थित नुब्रा घाटी के बारे में बताने जा रहे हैं। नुब्रा घाटी लद्दाख की ऊंची और खूबसूरत पहाड़ियों के बीच बसी है। देश ही नहीं दुनियाभर से लोग इस घाटी में घूमने आते हैं। आइए जानते हैं नुब्रा घाटी के बारे में-

लद्दाख के बाग के नाम से मशहूर है नुब्रा घाटी

नुब्रा घाटी लेह से 150 किमी की दूरी पर बसी एक आकर्षक और खूबसूरत घाटी है। नुब्रा का मतलब होता है - फूलों की घाटी। यह घाटी गुलाबी और पीले जंगली गुलाबों से सजी है। इसकी सुंदरता की वजह से नुब्रा घाटी को 'लद्दाख के बाग' के नाम से भी जाना जाता है। इस घाटी का इतिहास सातवीं शताब्दी ई। पूर्व पुराना है। इतिहासकारों के मुताबिक इस घाटी में चीनी और मंगोलिया ने आक्रमण किया था। नुब्रा घाटी श्योक और नुब्रा नामक दो नदियों के बीच में बसी है। यहां आकर आप एक अलग तरह की संस्कृति का अनुभव करेंगे। इस घाटी की रेत और आकर्षक पहाड़ियां यहाँ आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। सर्दियों में नुब्रा घाटी का मौसम काफी ठंडा रहता है इसलिए सर्दियों में यहाँ जाना थोड़ा मुश्किल होता है। यहाँ जाने के लिए सबसे सही समय मई से सितंबर तक रहता है।

नुब्रा घाटी का सफर

अगर आप नुब्रा घाटी जाना चाहते हैं तो आपको सड़क मार्ग से होकर जाना होगा। नुब्रा घाटी पहुंचने के लिए सबसे पहले आपको राष्ट्रीय मार्ग से खर्दुंग ला तक का सफर करना होगा, यह दुनिया का सबसे ऊँचा दर्रा है।। उसके बाद खर्दुंग गांव से होते हुए श्योक घाटी तक पहुँच सकते हैं। श्योक घाटी में बने घर और चारगाह पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। नुब्रा घाटी जाने से पहले यात्रियों को दो दिन के लिए लेह में रुकने की सलाह दी जाती है। एक बार जब यात्री यहां के वातावरण में ढल जाते हैं, तब नुब्रा घाटी के लिए आगे की यात्रा शुरू कर सकते हैं। नुब्रा घाटी तक की यात्रा में आपको ऐसी खूबसूरत सड़के मिलेंगी जो आपका दिल जीत लेंगी। नुब्रा घाटी के करीब पहुंचने पर रेत के टीलों के साथ सुनसान सड़क यहाँ आने वाले पर्यटकों का स्वागत करती हैं।

नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र 'डिस्किट'

डिस्किट को नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र कहा जाता है। यह गाँव बहुत ही सुंदर है। अगर आपको शांत वातावरण पसंद हैं तो आप डिस्किट से दस किलोमीटर दूर पश्चिम में हंडर की यात्रा कर सकते हैं। यहाँ के मैदानी इलाकों में आपको शांति और सुकून का अनुभव होगा। यहां आपको दो कूबड़ वाले ऊंट देखने को मिल सकते हैं। डिस्किट और हंडर में रुकने के लिए बहुत सारे होटल, होम स्टे, रिसॉर्ट और टेंट उपलब्ध हैं।

नुब्रा घाटी कैसे पहुंचे

जहाँ पहले परिवाहन की सुविधा ना होने के कारण लेह-लद्दाख जाना कठिन था, वहीं अब कुशोक बकुला रिम्पोछे एयरपोर्ट की वजह से दुनिया के किसी भी हिस्से से लेह जाना बेहद आसान हो गया है। आप दिल्ली से लेह के लिए फ्लाइट ले सकते हैं। इसके बाद आप मनाली और स्पीती के रास्ते निजी वाहन या बस से नुब्रा घाटी पहुँच सकते हैं।

पुणे में घूमने के लिए हैं कई बेहतरीन जगहें, आप भी जाएं जरूर

महाराष्ट्र का सांस्कृतिक केंद्र कहा जाने वाला पुणे एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर हर किसी को एक बार अवश्य जाना चाहिए। यहां पर आपको कई ऐतिहासिक स्मारक देखने को मिलेंगे तो इस क्षेत्र की आध्यात्मिक महत्ता भी कम नहीं है। अगर आप वीकेंड पर अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी से एक ब्रेक चाहते हैं तो आपको पुणे घूमकर आना चाहिए। यकीन मानिए कि यह स्थान आपको कभी भी निराश नही करेगा। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुणे में स्थित कुछ बेहतरीन प्लेसेस के बारे में बता रहे हैं-

शनिवार वाडा

जब पुणे में घूमने की जगहों की बात होती है तो उसमें शनिवार वाडा का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यह महल बाजीराव पेशवा प्रथम द्वारा बनाया गया था। महल में पांच द्वार, नौ बुर्ज, लकड़ी के खंबे और जाली का काम किया है। इस महल के साथ कई कहानियां जुड़ी हुई हैं, जिसके कारण लोग इस जगह पर आते हैं और एक अद्भुत अनुभव प्राप्त करते हैं।

आगा खान पैलेस

अगर आप एक इतिहास प्रेमी हैं, तो आपको एक बार इस जगह पर अवश्य जाना चाहिए। 1892 में सुल्तान मोहम्मद शाह आगा खान III द्वारा निर्मित, यह महल भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह है। आगा खान पैलेस अकाल से पीड़ित स्थानीय लोगों के बचाव करने से लेकर महात्मा गांधी, उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी, महादेव देसाई और सरोजिनी नायडू की कैद और महादेव देसाई और कस्तूरबा गांधी की मृत्यु का एक चश्मदीद गवाह है। मुख्य महल को अब महात्मा राष्ट्रीय स्मारक में बदल दिया गया है, जहां महात्मा गांधी के जीवन को प्रदर्शित करने वाली तस्वीरें और पेंटिंग रखी गई हैं।

दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर

यह मंदिर ना केवल पुणे बल्कि महाराष्ट्र में सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। मंदिर हिंदू भगवान गणेश को समर्पित है और इसका निर्माण दगडूशेठ हलवाई द्वारा करवाया गया था। यह मंदिर इतना लोकप्रिय है कि देश के साथ-साथ दुनिया भर से लोग इसे देखने आते हैं। इस मंदिर में यूं तो हमेशा ही एक अलग चहल-पहल रहती है, लेकिन गणेश महोत्सव के समय यहां का नजारा बस देखते ही बनता है।

पार्वती हिल

पार्वती हिल पुणे में घूमने की बेहतरीन जगहों में से एक है। पार्वती हिल शहर के दक्षिणी छोर पर स्थित है। पहाड़ी में शिव, गणेश, विष्णु और कार्तिकेय के चार प्रमुख मंदिर हैं। यहां के प्रमुख मंदिर को पार्वती मंदिर कहा जाता है, जो कभी पेशवा शासकों का एक निजी मंदिर था। आगंतुकों को यहां पहुंचने के लिए 108 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। अगर आप यहां हैं तो आपको पार्वती संग्रहालय अवश्य देखना चाहिए क्योंकि इसमें प्राचीन चित्रों और पांडुलिपियों की प्रतिकृतियां हैं।

टीपू सुल्तान का किला: अवशेष सुनाते हैं बुलंदियों की गाथा

भारत के मुस्लिम स्थापत्य में कर्नाटक राज्य में बेंगलुरू में टीपू सुल्तान उर्फ बेंगलुरु का किला अपना विशेष महत्व रखता है। एक समय में यह भव्य और ऐतिहासिक किला दक्खन के मजबूत किलों में शुमार था और पूरी भव्यता के साथ मौजूद था। विडम्बना ही कह सकते हैं कि इस किले के आज कुछ अवशेष ही शेष रह गए हैं। अवशेष भी किले की भव्यता को बताते हैं और सैलानियों को लुभाते हैं।

यह किला लगभग एक किमी लम्बाई में बना था जो दिल्ली गेट से वर्तमान केआईएमएस परिसर तक फैला हुआ था। सुरक्षा की दृष्टि से किला पानी की चौड़ी खाइयों से घिरा हुआ था। किले की प्राचीर में 26 बुर्जों की कमान थी जी चारों तरफ से महल की रक्षा करते थे। किला असामान्य अंडाकार आकार में था और किले को तोड़ने और कब्जा करने के प्रयास में लॉर्ड कॉर्नवालिस और उनकी सेना द्वारा की गई क्षति के दृश्य चिह्नों के साथ मोटी दीवारों द्वारा संरक्षित किया गया है।

किले की विशिष्ट विशेषताओं में से एक तीन विशाल लोहे के घुंडी वाला एक लंबा द्वार है। दीवारों पर कमल, मोर, हाथियों, पक्षियों और अन्य विस्तृत रूपांकनों की नक्काशी दर्शनीय है। मोटी लैटराइट दीवारें सभी को लुभाती हैं। टीपू के किले को पालक्काड फोर्ट भी कहा जाता है। किला कभी एक महत्वपूर्ण सैन्य छावनी हुआ करता था। आज यह किला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित है। यह स्थल पालक्काड आने वाले सभी पर्यटकों का एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है।

समर पैलेस

अल्बर्ट विक्टर रोड और कृष्णा राजेंद्र के केंद्र में स्थित किले के मध्य बना 'समर पैलेस' इंडो-इस्लामिक वास्तुकला का सुंदर नमूना है। इसे मैसूर के सुल्तान हैदर अली ने बनवाना शुरू किया और टीपू सुल्तान ने उसको 1791 में पूरा करवाया। महल के भव्य मेहराब और कोष्ठक इस्लामी प्रभाव को दर्शाते हैं, जबकि स्तंभों के चारों ओर स्थित कोष्ठक प्रकृति में भारतीय हैं। दुमंजिली इमारत की पहली मंजिल पर चार कोनों पर स्थित 4 शाही कमरे, एक बड़ा हॉल, कक्ष और दो बालकनी हैं जहाँ से सुल्तान अधिकारियों को संबोधित करते थे और अपना राज दरबार आयोजित करते थे।

महल एक मजबूत पत्थर के चबूतरे पर बना है और इसमें उत्कृष्ट नक्काशीदार लकड़ी के खंभे हैं जो पत्थर के आधार पर टिके हुए हैं। यह पेलेस गहरे भूरे रंग में सागौन की लकड़ी से बना खूबसूरत रचना है। इस्लामी कला महल के आंतरिक भाग में 'आनंद का निवास' शिलालेखों के साथ सजा है। आंतरिक भाग में लोग टीपू सुल्तान से जुड़े इतिहास के बारे में जानकारी दी गई है। दीवारों पर पेंटिंग और भित्ति चित्र सुल्तान की बहादुरी और शख्सियतों की कहानियों का वर्णन करते हैं। प्रत्येक छोर पर महल के रंगीन अंदरूनी और दीवारों को देख सकते हैं। ये कभी रत्नों से आच्छादित थे जिन्हें बाद में हटा दिया गया। यहां सुल्तान द्वारा उपयोग किए जाने वाले हथियारों, रॉकेट तकनीक की पूर्णता और उनके कुछ अन्य उपकरणों की एक झलक देखने को मिलती है। उनके टाइगर सिंहासन के चित्र दीवारों पर सुशोभित हैं। भव्य महल का उपयोग राजा द्वारा गर्मियों में किया जाता था और इसे 'एबोड ऑफ हैपीनेस' और 'रैश ए जन्नत' अर्थात 'स्वर्ग की ईर्ष्या' के रूप में जाना जाता है।

संग्रहालय

किले के एक हिस्से में संग्रहालय बना दिया गया है जिसमें पशु-पक्षियों के माडल, मुद्राएं, अस्त्र-शस्त्र, पोशाक, पुराने बर्तन आदि को प्रदर्शित किया गया है। वर्तमान में वर्तमान में दिल्ली गेट और दो गढ़ों के अवशेष और टीपू सुल्तान का समर पेलेस ही शेष रह गए हैं।

स्वर्णिम पृष्ठभूमि

ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार किले को शुरुआत में 1537 ई. में विजयनगर साम्राज्य के प्रमुख और बेंगलुरू के संस्थापक केम्पे गौड़ा द्वारा मिट्टी के किले के रूप में बनाया गया था। गौड़ा का एक ऐसा शहर बनाने का सपना था जो हम्पी जैसा सुंदर हो और एक किला, मंदिरों, तालाबों या जल जलाशयों और एक छावनी के साथ एक राजधानी शहर हो। इसलिए गौड़ा ने एक आकर्षक किला बनाया और इसे मिट्टी से मजबूत किया। मुगलों ने 1687 ई. में बैंगलुरू शहर पर कब्जा कर लिया और इसे 1689 ई. में मैसूर के तत्कालीन राजा चिक्का देवराज वोडेयार को पट्टे पर दे दिया, जिन्होंने मौजूदा किले का और विस्तार किया। लगभग 100 साल बाद महान योद्धा टीपू सुल्तान के पिता हैदर अली द्वारा 1781 ई. में किले को पुनर्निर्मित और मजबूत किया गया और टीपू सुल्तान द्वारा पूर्ण किया गया। वर्ष 1791 ई.लॉर्ड कॉर्नवालिस के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा किले पर हमला किया गया था, जिसमें लगभग 2,000 लोग मारे गए थे। खूनी लड़ाई के बाद, ब्रिटिश सेना ने महल पर कब्जा कर लिया। अंग्रेजों का किले पर कब्जा होने के बाद उन्होंने ने इसे तोड़ना शुरू कर दिया, यह प्रक्रिया 1930 के दशक तक जारी रही। प्राचीर और दीवारों को तोड़ कर सड़कों के लिए रास्ता बनाया, जबकि शस्त्रागार, बैरक और अन्य पुराने भवनों को तोड़ कर कॉलेजों, स्कूलों, बस स्टैंडों और अस्पतालों के लिए रास्ता बनाया। नवंबर 2012 में मेट्रो निर्माण स्थल पर श्रमिकों ने टीपू सुल्तान के समय की तोपों के साथ एक-एक टन वजन वाली 2 विशाल लोहे की तोपों का पता लगाया।

पर्यटक आते हैं यहां

महल के आस-पास के बगीचों में आराम कर सकते हैं। लोग यहां शांति और सुकून से टहलने और जॉगिंग करने आते हैं। किला देखने के लिए निर्धारत शुल्क लगता है तथा किले के इतिहास और घटनाओं को जानने के लिए गाइड सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह पर्यटकों के लिए प्रतिदिन सुबह 8:30 से शाम 5:30 तक खुला रहता है। पर्यटक बड़ी संख्या में इसे देखने आते हैं। बेंगलुरू देश के सभी बड़े शहरों से हवाई एवं रेल सेवाओं से जुड़ा है। कर्नाटक राज्य के सभी स्थलों से बस सेवाएं उपलब्ध हैं।

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या दिसंबर में 1.29 करोड़ हुई

मुंबई । घरेलू उड़ानों के यात्रियों की संख्या दिसंबर 2022 में 1.29 करोड़ पर पहुंच गई है। इसके साथ ही घरेलू उड़ानों के यात्रियों का आंकड़ा कोविड-पूर्व के स्तर को पार कर गया है। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इन आंकड़ों पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह उद्योग के लिए एक अच्छा संकेत है। दिसंबर 2019 में घरेलू उड़ानों से 1.26 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की थी। सिंधिया ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक ग्राफ के जरिये इन आंकड़ों की जानकारी दी। मंत्री ने ट्वीट किया` कि घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या में अच्छा रुख देखने को मिल रहा है। यह विमानन क्षेत्र के लिए अच्छा संकेत है।

पीएनबी ने एफडी पर ब्याज दर बढ़ाई

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने विभिन्न परिपक्वता अवधि वाली सावधि जमाओं (एफडी) पर ब्याज दरों में आधा प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। पीएनबी ने कहा कि दो करोड़ रुपए से कम की एक साल से तीन साल की सावधि जमा पर अब 6.75 प्रतिशत ब्याज दिया जाएगा। अभी तक यह दर 6.25 प्रतिशत थी। बैंक ने कहा कि नई दरें एक जनवरी 2023 से लागू हो गई हैं। बैंक ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को दो करोड़ रुपए से कम की जमा पर 0.5 प्रतिशत का अतिरिक्त ब्याज दिया जाएगा। इसके साथ ही पीएनबी उत्तम योजना के तहत ब्याज दर को 6.30 से बढ़ाकर 6.80 प्रतिशत किया गया है। इस योजना में परिपक्वता से पहले`` निकालने का विकल्प नहीं होता है। बैंक ने कहा है कि 666 दिन की सावधि जमा पर 8.1 प्रतिशत की वार्षिक ब्याज दर को बरकरार रखा गया है।

रिलायंस सोस्यो एसएचबीपीएल में 50 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी

नई दिल्ली । रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) गुजरात की कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक्स (सीएसडी) और जूस बनाने वाली कंपनी सोस्यो हजूरी बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड (एसएचबीपीएल) में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने पर विचार कर रही है। रिलायंस रिटेल वेंचर लिमिटेड (आरआरवीएल) ने कहा कि यह अधिग्रहण आरसीपीएल को अपने पेय पोर्टफोलियो को बढ़ाने में मदद करेगा। 100 साल पुरानी पेय निर्माता कंपनी के मौजूदा प्रवर्तक हजूरी परिवार के पास एसएचबीपीएल की शेष हिस्सेदारी बनी रहेगी। बयान के अनुसार इस संयुक्त उद्यम के साथ रिलायंस पेय खंड में अपने पोर्टफोलियो को और मजबूत करेगा जो पहले से ही प्रतिष्ठित ब्रांड कैम्पा का अधिग्रहण कर चुका है। इसके अलावा उत्पाद पोर्टफोलियो और उपभोक्ताओं के लिए अद्वितीय मूल्य प्रस्ताव विकसित करने के लिए फॉर्मूलेशन में सोस्यो की विशेषज्ञता का लाभ उठाया जा सकता है। आरसीपीएल एफएमसीजी इकाई है और देश की प्रमुख खुदरा कंपनी आरआरवीएल की अनुषंगी है। 1923 में अब्बास अब्दुलरहीम हजूरी द्वारा स्थापित कंपनी प्रमुख ब्रांड सोस्यो के तहत अपने पेय व्यवसाय का संचालन करती है।

इंटेल ने सीईएस 2023 में 13वीं पीढ़ी के मोबाइल प्रोसेसर का अनावरण किया

सैन फ्रांसिस्को। सेमीकंडक्टर चिप निर्माता इंटेल ने कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो (सीईएस) 2023 में सभी लैपटॉप सेगमेंट के लिए सुविधाओं और क्षमताओं के साथ नए 13वीं पीढ़ी के मोबाइल प्रोसेसर का अनावरण किया है।क्लाइंट कंप्यूटिंग ग्रुप, इंटेल के कार्यकारी उपाध्यक्ष और महाप्रबंधक मिशेल जॉनसन होल्टहॉस ने एक बयान में कहा, 13वीं पीढ़ी का इंटेल कोर मोबाइल प्रोसेसर परिवार सभी लैपटॉप सेगमेंट में लीडरशिप प्लेटफॉर्म के लिए बेजोड़, स्केलेबल परफॉर्मेंस देता है। उन्होंने आगे कहा, हमारी उद्योग-अग्रणी तकनीकों और बेजोड़ वैश्विक भागीदार पारिस्थितिकी तंत्र के साथ, लोग नए और अनूठे रूप कारकों में एक उच्च-क्षमता वाले मोबाइल अनुभव की उम्मीद कर सकते हैं। इसलिए वे कहीं से भी खेल सकते हैं या क्रिएट कर सकते हैं। कंपनी के 13वीं पीढ़ी के इंटेल कोर एच-सीरीज के मोबाइल प्रोसेसर में लैपटॉप के लिए पहला 24-कोर प्रोसेसर शामिल है। कंपनी के अनुसार, 13वीं पीढ़ी के एचएक्स प्रोसेसर दुनिया का सबसे अच्छा मोबाइल गेमिंग प्लेटफॉर्म प्रदान करते हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।(एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। इससे पहले शुरुआती दो दिनों तक बाजार में तेजी थी। इस गिरावट के साथ ही बाजार की तेजी रुक गयी है। बाजार में आज ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 636 अंकों की गिरावट के साथ ही 60657 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 189 अंकों की गिरावट के साथ 18042 और बैंक निफ्टी 476 अंकों की गिरावट के साथ 42948 पर बंद हुआ। आज सुबह कारोबार की मिलीजुली शुरुआत रही पर बाद में बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आने लगा। सेंसेक्स आज सुबह 1 अंक बढ़कर 61295 पर खुला और कारोबार शुरू किया जबकि निफ्टी 2 अंकों की गिरावट के साथ 18231 पर खुला। दुनिया भर के बाजारों में भी गिरावट से निवेशकों पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। सुबह 9.31 बजे सेंसेक्स 2 अंकों की बढ़त के साथ 61296 पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 2 अंक नीचे आकर 18229 पर ट्रेडिंग कर रहा था। ग्लोबल स्तर पर कुछ चिंताओं के बढ़ने और निवेशकों की तरफ से थोड़ी मुनाफावसूली इसका मुख्य कारण रही। वैश्विक स्तर पर निवेशक इस समय फेडरल ओपन मार्केट कमेटी के संकेतों का इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले ब्याज दरों में आक्रामक बढ़ोतरी के संकेतों की आशंका में बाजार में गिरावट देखी गई। बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण गिरकर 281.9 लाख करोड़ रुपये रह जाने से निवेशकों को 2.7 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। सेंसेक्स के टॉप-30 में केवल दो शेयर- मारुति और टीसीएस में बढ़त रही। वहीं अन्य 28 शेयर नीचे आये हैं। टाटा स्टील टाटा मोटर्स और पावरग्रिड के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

सोना और चांदी की कीमत में हल्की तेजी

नई दिल्ली । सोने और चांदी के दामों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। भारतीय वायदा बाजार में सोने और चांदी की कीमत में बुधवार को भी बढ़ोतरी देखी गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का भाव 0.36 फीसदी तेजी के साथ कारोबार कर रहा है चांदी का भाव 0.29 फीसदी चढ़ा है। पिछले कारोबारी सत्र में एमसीएक्स पर सोने का भाव 0.67 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ था। वहीं चांदी 0.50 फीसदी उछलकर बंद हुई थी। सोने का भाव अभी 30 महीने के शीर्ष पर है और जल्द रिकॉर्ड कीमत पर पहुंच सकता है। वायदा बाजार में 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव सुबह कल के बंद भाव से 198 रुपए तेज होकर 55728 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। आज सोने का भाव 55620 रुपए पर खुला था। पिछले कारोबारी सत्र में सोने का भाव एमसीएक्स पर 368 रुपए चढ़कर 55470 रुपए पर बंद हुआ था। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी में भी तेजी देखी जा रही है। चांदी 203 रुपए चढ़कर 70120 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई है। चांदी का भाव सुबह 70076 रुपए पर खुला। भाव एक बार 70200 रुपए तक चला गया लेकिन थोड़ी देर बाद यह 70120 रुपए हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में एमसीएक्स पर चांदी का भाव 349 रुपए चढ़कर 69920 रुपए पर बंद हुआ था।

रसोई गैस के बाद सीएनजी-पीएनजी हुई महंगी

मुंबई । साल के पहले दिन जहां कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी देखने को` मिली। वहीं अब सीएनजी और पीएनजी भी मंहगी हो गई है। गुजरात में एक बार फिर से सीएनजी और पीएनजी की कीमत में इजाफा कर दिया गया है। गुजरात गैस की ओर से दोनों तरह के फ्यूल में 5 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है। अब आईजीएल पर दिल्ली-एनसीआर और एमजीएल पर भी सीएनजी और पीएनजी के दाम में इजाफा करने का दबाव बढ़ गया है। गुजरात में सीएनजी और पीएनजी के भाव 5 फीसदी बढ़ गए हैं। गुजरात में सीएनजी के दाम 78.52 रुपए प्रति किलो हो गए हैं। वहीं दूसरी ओर गुजरात गैस ने घरेलू पीएनजी के दाम में भी दजाफा किया है जिसके बाद पीएनजी के दाम 50.43 रुपये एससीएम पर आ गए हैं। इसके अलावा इंडस्ट्री को गैस की कीमत में राहत दी है। गुजरात गैस ने इंडस्ट्री गैस के दाम में गिरावट की है। इंडस्ट्री गैस को 7 रुपए प्रति एससीएम तक सस्ता किया गया है।

मस्क को पछाड़ दुनिया के दूसरे नंबर के अरबपति बन सकते हैं गौतम अडानी

दोनों के बीच नौ अरब डॉलर का अंतर

वाशिंगटन ।(एजेंसी)

दुनिया की सबसे मूल्यवान ऑटो कंपनी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के इनदिनों अच्छे दिन नहीं चल रहे हैं। साल के पहले दिन मस्क को 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक का झटका लगा है। टेस्ला के शेयरों में पिछले कई दिनों से गिरावट आ रही है और नए साल के पहले कारोबारी दिन भी यह सिलसिला जारी रहा। मंगलवार को कंपनी के शेयरों में 12 फीसदी से भी ज्यादा की गिरावट आई। इससे मस्क की नेटवर्थ एक झटके में 9.09 अरब डॉलर यानी करीब 75 हजार करोड़ रुपये कम हुई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अब उनकी नेटवर्थ 128 अरब डॉलर रह गई है। मस्क अभी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं लेकिन जल्दी ही वह तीसरे नंबर पर आ सकते हैं। मस्क की नेटवर्थ में गिरावट की सबसे बड़ी वजह टेस्ला के शेयरों में आई गिरावट रही। पिछले साल टेस्ला के शेयरों में 65 फीसदी गिरावट आई। कंपनी ने ग्रोथ टारगेट्स को मिस किया है और साथ ही चीन में प्रॉडक्शन में कटौती की है। कंपनी ने चौथी तिमाही में अपनी डिलीवरी के बारे में जानकारी दी जो बाजार के अनुमानों से कम रही। टेस्ला की कारों की मांग लगातार घट रही है टेस्ला को दूसरी कंपनियों से भी कड़ी चुनौती मिल रही है। पिछले महीने अपनी इंवेंट्री को पूरा करने के लिए कंपनी ने सेल की घोषणा की थी। इससे निवेशकों को झटका लगा और दिसंबर में कंपनी का शेयर 37 फीसदी टूट गया। इस बीच अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी अमीरों की लिस्ट में मस्क को पछाड़कर दूसरे नंबर पर पहुंच सकते हैं। मंगलवार को अडानी की नेटवर्थ में 1.61 अरब डॉलर की गिरावट आई। वह अभी 119 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। मस्क और अडानी की नेटवर्थ में अब सिर्फ नौ अरब डॉलर का अंतर बचा है। पिछले साल अडानी की नेटवर्थ में 44 अरब डॉलर का इजाफा हुआ था जबकि मस्क की नेटवर्थ में 200 अरब डॉलर की गिरावट आई थी। अडानी पिछले साल भी इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंचे थे और यह मुकाम हासिल करने वाले एशिया के पहले अरबपति थे। फ्रांस के बर्नार्ड आरनॉल्ट 164 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स 109 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में चौथे स्थान पर बने हुए हैं।अमेजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस एक बार फिर इस लिस्ट में पांचवे नंबर पर आ गए हैं। उनकी नेटवर्थ 109 अरब डॉलर है। वॉरेन बफे (108 अरब डॉलर) छठे लैरी एलिसन (92.9 अरब डॉलर) सातवें भारत के मुकेश अंबानी (87.3 अरब डॉलर) आठवें स्टीव बाल्मर (85.8 अरब डॉलर) नौवें और लैरी पेज (83.7 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं।

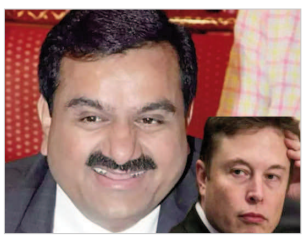

गेहूं और चावल का निर्यात बढ़ा

- गेहूं के निर्यात ने चालू वित्त की दूसरी छमाही में 136 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

गेहूं और चावल की मांग बढ़ने से इनके भाव भी तेज हो गए हैं। वाणिज्यिक सूचना तथा सांख्यिकी महानिदेशालय द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला है कि समग्र उत्पाद निर्यात अप्रैल-सितंबर 2022 के दौरान पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 1105.6 करोड़ डॉलर की तुलना में बढ़कर 1377 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात विकास प्राधिकरण ने चालू वित्त वर्ष के छह महीनों के भीतर ही वित्त वर्ष 2022-23 के लिए निर्धारित कुल निर्यात लक्ष्य का 58 प्रतिशत हासिल कर लिया है। अनाज तथा प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 29.36 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। गेहूं के निर्यात ने चालू वित्त की दूसरी छमाही में 136 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कराई. गेहूं का निर्यात अप्रैल-सितंबर 2022-23 में बढ़कर 148.7 करोड़ डॉलर हो गया जबकि पिछले वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में यह 63 करोड़ डॉलर रहा था. अनाजों का निर्यात अप्रैल-सितंबर 2021-22 के दौरान 46.7 करोड़ डॉलर का रहा था जबकि अप्रैल-सितंबर 2022-23 के दौरान यह बढ़कर 52.5 करोड़ डॉलर तक जा पहुंचा। दलहन के निर्यात में पिछले वित्त वर्ष के इन्हीं महीनों की तुलना में चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान 144 प्रतिशत की बढोतरी देखी गई जबकि मसूर दाल का निर्यात अप्रैल-सितंबर 2021-22 के 13.5 करोड़ डॉलर की तुलना में अप्रैल-सितंबर 2022-23 के दौरान 33 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया। वित्त वर्ष 2022-23 के छह महीनों के दौरान बासमती चावल के निर्यात में 37.36 प्रतिशत की बढोतरी दर्ज की गई जो अप्रैल-सितंबर 2021-22 के 1660 मिलियन डॉलर की तुलना में अप्रैल-सितंबर 2022-23 के दौरान 2280 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया। गैर बासमती चावल के निर्यात में चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इसका निर्यात चालू वित्त वर्ष के छह महीनों में 3207 मिलियन डॉलर रहा जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के दौरान यह 2969 मिलियन डॉलर रहा था।

केद्र सरकार ने जीपीएफ की ब्याज दरें नहीं बढ़ाई

वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के लिए भी 7.1 प्रतिशत ब्याज देने का किया फैसला

नई दिल्ली । केद्र सरकार ने जनरल प्रोविडेंट फंड की ब्याज दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के लिए भी 7.1 प्रतिशत ब्याज देने का फैसला किया है। पिछले महीने 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही में भी जीपीएफ पर ब्याज दर 7.1 प्रतिशत थी। वित्त मंत्रालय ने 3 जनवरी को जारी नोटिफिकेशन में कहा है कि यह दर एक जनवरी 2023 से 31 मार्च 2023 तक प्रभावी रहेंगी। सरकार हर तिमाही में छोटी बचत योजनाओं और जीपीएफ के ब्याज दर की समीक्षा करती है। जीपीएफ के अलावा राज्य रेलवे भविष्य निधि अंशदायी भविष्य निधि सशस्त्र बल कार्मिक भविष्य निधि और अखिल भारतीय सेवा भविष्य निधि सहित अन्य सरकारी भविष्य निधियों के लिए भी 7.1 प्रतिशत की दर से चौथी तिमाही में ब्याज मिलेगा। इससे पहले 30 दिसंबर को वित्त मंत्रालय ने मार्च तिमाही के लिए कुछ छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों में वृद्धि की थी। जनरल प्रोविडेंट फंड (जीपीएफ) के अलावा सरकार ने जिन अन्य स्कीम्स की ब्याज दरों में परिवर्तन न करने का फैसला किया है उनमें अंशदायी भविष्य निधि अखिल भारतीय सेवा भविष्य निधि राज्य रेलवे भविष्य निधि सामान्य भविष्य निधि (रक्षा सेवाएं) भारतीय आयुध विभाग भविष्य निधि भारतीय आयुध निर्माणी कर्मकार भविष्य निधि भारतीय नौसेना डॉकयार्ड कर्मकार भविष्य निधि रक्षा सेवा अधिकारी भविष्य निधि और सशस्त्र बल कार्मिक भविष्य शामिल हैं।

देश की आर्थिक वृद्धि बढ़ाएगी क्लाउड कृत्रिम मेधा प्रौद्योगिकी: नडेला

मुंबई (एजेंसी)

माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्या नडेला ने भारत में प्रौद्योगिकी आधारित आर्थिक वृद्धि को तेज करने में क्लाउड और कृत्रिम मेधा (एआई) की भूमिका को काफी अहम बताया। नडेला ने मुंबई में 'माइक्रोसॉफ्ट फ्यूचर रेडी लीडरशिप सम्मेलन में कहा कि 2025 तक अे धिकतर आवेदन क्लाउड आधारित बुनियादी ढांचे पर बनाए जाएंगे और लगभग 90 प्रतिशत डिजिटल कार्यभार क्लाउड आधारित मंच पर तैनात किए जाएंगे। उन्होंने तकनीक-सक्षम भारत को लेकर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि भारत की डिजिटल यात्रा को आगे बढ़ाने में किस प्रकार क्लाउड बुनियादी तत्व बनेगा। माइक्रोसाफ्ट देश के डेवलपर्स स्टार्टअप और कंपनियों के हर उद्योग के परिवेश को समर्थन देने के लिये नवोन्मेष कर रही है। उन्होंने कहा कि क्लाउड आधारित प्रौद्योगिकी 70-80 प्रतिशत ऊर्जा दक्ष है। हम दुनियाभर में 60 से अधिक क्षेत्रों 200 से अधिक डेटा केंद्रों में निवेश कर रहे हैं। अकेले भारत में हम विस्तार कर रहे हैं और अपना चौथा क्षेत्र हैदराबाद में स्थापित कर रहे हैं। नडेला चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर भारत आए हुए हैं। वह अपनी यात्रा के दौरान मुंबई नई दिल्ली बेंगलुरु और हैदराबाद जाएंगे तथा महत्वपूर्ण ग्राहकों स्टार्टअप डेवलपर शिक्षाविदों और छात्रों से मुलाकात करेंगे। उन्होंने भारत में डिजिटलीकरण की दिशा में उठाये गये कदमों की सराहना भी की।

एनसीएलटी ने रिलायंस कैपिटल की ऋण शोधन प्रक्रिया पर रोक लगाई

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने टॉरेन्ट समूह की याचिका पर कर्ज का सामना कर रही रिलायंस कैपिटल लिमिटेड की ऋण शोधन प्रक्रिया पर प्रतिबंध लगा दिया है। सूत्रों ने कहा कि गुजरात के टॉरेन्ट समूह ने इस याचिका में हिंदुजा समूह की तरफ से संशोधित बोली लगाए जाने को चुनौती दी है। याचिका पर सुनवाई करते हुए एनसीएलटी मुंबई ने ऋणशोधन प्रक्रिया पर रोक लगा दी। ई-नीलामी में टॉरेन्ट समूह 8640 करोड़ रुपए की पेशकश के साथ सबसे बड़ी बोलीदाता के रूप में उभरा जबकि हिंदुजा समूह की बोली 8110 करोड़ रुपए रही। हालांकि ई-नीलामी के अगले दिन हिंदुजा समूह ने अपनी पेशकश संशोधित कर 9000 करोड़ रुपए कर दिया। टॉरेन्ट ने अपनी याचिका में दावा किया कि ई-नीलामी के बाद हिंदुजा समूह की तरफ से संशोधित पेशकश करना गलत और अवैध है। एनसीएलटी ने प्रशासक से टॉरेन्ट समूह के आवेदल पर जवाब देने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई अगले सप्ताह होगी। इस बीच आरसीएल के कर्जदाताओं की हाल ही में हुई बैठक में टॉरेन्ट समूह और हिंदुजा समूह दोनों की बोलियों पर चर्चा की गई। रिलायंस कैपिटल के बड़े कर्जदाताओं एलआईसी और ईपीएफओ की पहल पर यह ई-नीलामी की गई। इन दोनों की सीओसी में सम्मिलित हिस्सेदारी 35 प्रतिशत है।

भारत में खाद्य तेल के अंतर को कम कर सकता है सरसों का तेल

नई दिल्ली।(एजेंसी)

भारत हमेशा से कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था रहा है और आज भी लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि अथवा कृषि सम्बंधित कार्यों में लगी हुई है। हालांकि, दुनिया में बाजरा के सबसे बड़ा उत्पादक और गेहूं और चावल के दूसरे सबसे बड़ा उत्पादक होने के बावजूद, भारत खाद्य तेल की दीर्घकालिक कमी का सामना कर रहा है और आयात के माध्यम से मांग-आपूर्ति के अंतर को भरने के लिए मजबूर है।कुछ ही दशक पहले, भारत का खाद्य तेल आयात एक वर्ष में लगभग 4 मिलियन टन था। यह आंकड़ा दशकों में तेजी से बढ़ा है और अब 14.03 मिलियन टन (31 अक्टूबर 2022 को समाप्त होने वाला तेल वर्ष) है। यह 1.57 लाख करोड़ रूपए के आयात बिल के बराबर है, जो कीमती विदेशी मुद्रा भंडार की भारी कमी का कारण बनता है। ऐसी आयात निर्भरता गंभीर मुद्रास्फीति संकट की ओर ले जाती है जैसा कि हाल की वैश्विक घाटे से देखा गया है और जिसके कारण खाद्य तेल की कीमतें आम लोगों के लिए लगभग पहुंच से बाहर हो गई थीं। खाद्य तेलों के लिए मांग-आपूर्ति का अंतर काफी व्यापक है और इसलिए इसे भरना मुश्किल है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, भारत में खाद्य तेलों की वार्षिक मांग लगभग 250 लाख टन है, जबकि घरेलू उत्पादन बहुत कम - बमुश्किल 111.6 लाख टन प्रति वर्ष है। यह कमी 55 से 60 प्रतिशत के बीच बनती है। यह नोट करना उत्साहजनक है कि भारत सरकार सक्रिय रूप से नीतियां बना रही है और इस असंतुलन को दूर करने का प्रयास कर रही है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन ने तिलहनी फसलों के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के उद्देश्य से कई कार्य बिंदुओं को रेखांकित किया है। इनमें खेती के अंतर्गत क्षेत्र को बढ़ाना; तिलहन की उन्नत उच्च उपज वाली किस्मों का विकास करना; उर्वरकों और कीटनाशकों जैसे कृषि संबंधित सहयोग; उत्पादकता में सुधार के लिए प्रमुख कृषि कार्यों का मशीनीकरण; और तिलहनी फसलों की कटाई के बाद के प्रबंधन के लिए किसानों को सहायता प्रदान करना।

इसी दिशा पर, तिलहन और पाम के तेल का राष्ट्रीय मिशन भी तिलहन की आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। सरकार सरसों तिलहन उपज का क्षेत्र बढ़ाने में प्रयासरत है जो की एक अच्छा कदम है, हमारा निवेदन है कि इसके लिए उचित स्थान को तलाशा जाये जहां का पर्यावरण भी अनुकूल हो।

कच्चा तेल 3 डॉलर सस्ता कई शहरों में घटे पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

वैश्विक बाजार में कच्चा तेल पिछले 24 घंटे के दौरान करीब 3 डॉलर गिर गया है। इसका असर बुधवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर दिखा और आज कई शहरों में तेल सस्ता हो गया है। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेट्रोल 83 पैसे सस्ता हुआ और 108.481 रुपए लीटर पहुंच गया है जबकि डीजल 75 पैसे सस्ता होकर 93.72 रुपए लीटर है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में भी पेट्रोल 5 पैसे गिरकर 96.89 रुपए लीटर और डीजल 6 पैसे गिरकर 89.76 रुपए लीटर बिक रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर गुरुग्राम में पेट्रोल 96.89 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर है। जयपुर में पेट्रोल 108.48 रुपए और डीजल 93.72 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

महिला आईपीएल टीम के लिए बीसीसीआई ने जारी किये टेंडर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला आईपीएल टीम का मालिकाना अधिकार प्राप्त करने के लिए टेंडर जारी किए हैं। इसमें नीलामी के माध्यम से ही महिला आईपीएल टीमों को बेचा जाएगा। महिला आईपीएल टीम खरीदने के लिए फ्रेंचाइजी को 21 जनवरी तक आवेदन देना होगा। इसके साथ ही फ्रेंचाइजी या कारोबारी घराने को पांच लाख रुपये की राशि भी बीसीसीआई के पास जमा करानी होगी। यह राशि वापस नहीं लौटाई जाएगी। बीसीसीआई के अनुसार टेंडर की प्रक्रिया का हिस्सा बनने के लिए केवल पांच लाख रुपये जमा कराना ही काफी नहीं है। अगर दस्तावेजों की जांच के दौरान बीसीसीआई को लगता है कि ये पूरे नहीं है तो वे उस व्यक्ति या बिजनेस घराने को नीलामी की प्रक्रिया से पहले ही बाहर कर सकते हैं. महिला आईपीएल की शुरुआत मार्च के महीने में होनी है। बीसीसीआई ने पहले ही इस टूर्नामेंट को लेकर विंडो सेट कर रखी है। मार्च के अंत में पुरुषों के आईपीएल सीजन की शुरुआत होगी। फरवरी में महिलाओं का विशेष कप होना है। बताया जा रहा है कि पुरुष आईपीएल से पहले ही महिला आईपीएल के पहले सत्र का समापन करने की बीसीसीआई की योजना है। इस सीजन में कुल कितने मैच खेले जाएंगे इसे लेकर बीसीसीआई ने स्थिति स्पष्ट नहीं की है.

दूसरे टी20 में श्रीलंका पर जीत के साथ ही सीरीज अपने नाम करने उतरेगी टीम इंडिया

पुणे ।(एजेंसी)

पहले ही मैच में मिली जीत से उत्साहित भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां मेहमान टीम श्रीलंका के खिलाफ होने वाले दूसरे टी20 में जीत के साथ ही सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम ने युवा तेज गेंदबाजों शिवम माली उमरान मलिक के अच्छे प्रदर्शन से पहले टी20 में श्रीलंकाई टीम पर रोमांचक जीत दर्ज की थी। इस मैच में टीम इंडिया के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। पहले मैच में शुभमन नाकाम रहे थे और केवल सात रन ही बना पाये थे। सलामी बल्लेबाज के लिए शुभमन के अलावा युवा रुतुराज गायकवाड़ भी दावेदार हैं। ऐसे में शुभमन अपने को साबित करना चाहेंगे। भारतीय टीम पहले मैच में कम स्कोर के बाद भी अच्छी गेंदबाजी के कारण जीत दर्ज करने में सफल रही पर दूसरे मैच में टीम बड़ा स्कोर बनाना चाहेगी। आईपीएल में पारी शुरु करने वाले शुभमन जमने के बाद तेजी से रन बनाते हैं। टीम इंडिया के कार्यवाहक कप्तान हार्दिक पंड्या ने शीर्ष क्रम पर आक्रामण रुख अपनाने की नीति रखी है। शुभमन और ईशान किशन को श्रृंखला के तीनों मैच में पारी की शुरुआत का अवसर मिलेगा। पावर प्ले में इनका अच्छा प्रदर्शन बाद में आने वाले बल्लेबाजों को बिन दबाव के खेलने का मनोबल दे सकता है। इस मैच में उपकप्तान सूर्यकुमार यादव भी अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। बल्लेबाजों को श्रीलंका के गेंदबाजों के खिलाफ रन बनाने का तरीका ढूंढना होगा। उन्हें स्पिनरों वानिंदु हसरंगा और महेश तीक्षणा के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाना होगा। इन दोनों ने मुंबई में पहले मैच में मिलकर आठ ओवर में सिर्फ 51 रन पर दो विकेट लिए थे। वहीं भारतीय टीम के ऑलराउंडर दीपक हुड्डा और स्पिनर अक्षर पटेल ने

अपनी बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया। तेज गेंदबाज शिवम मावी के अच्छे प्रदर्शन के अलावा। कप्तान पंड्या इन मैच में अन्य खिलाड़ियों को भ बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेंगे। वहीं लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल पहले मैच में नाकाम रहे जो टीम के लिए परेशानी की बात है। दूसरी ओर दासुन शनाका की श्रीलंकाई टीम इस मैच में जीत दर्ज कर सीरीज बराबरी पर लाना चाहेगी। पहले मैच में उसे केवल दो रनों से ही अंतिम गेंद पर हार का सामना करना पड़ा था। पहले मैच में शानदार बल्लेबाजी करने वाले चमिका करुणारत्ने इस मैच में भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

खिलाड़ी टी20 क्रिकेट से ब्रेक ले सकते हैं, लेकिन वनडे फॉर्मेट से बिल्कुल नहीं : गंभीर

नई दिल्ली,(एजेंसी)

2011 में मुंबई में वनडे विश्व कप फाइनल में श्रीलंका पर भारत की जीत में सर्वाधिक 97 रन बनाने वाले पूर्व खिलाड़ी गौतम गंभीर का मानना है कि मौजूदा क्रिकेटरों को विश्व कप तक बनाए रखते हुए 2023 में एक साथ 50 ओवर के अधिक मैच खेलने पर ध्यान देना चाहिए। अगर वे ब्रेक लेना चाहते हैं तो टी20 मैचों से ले सकते हैं। गंभीर ने कहा, इस साल वनडे निश्चित रूप से खेलना जरूरी है। अगर वे ब्रेक लेना चाहते हैं, जो लोग तीन से अधिक प्रारूप खेलते हैं, वे निश्चित रूप से टी20 क्रिकेट से ब्रेक ले सकते हैं, लेकिन वनडे प्रारूप से नहीं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि पिछले दो विश्व कप में भारतीय क्रिकेट ने सबसे बड़ी गलती यह की है कि इन खिलाड़ियों ने एक साथ पर्याप्त क्रिकेट नहीं खेली है। मुझे बताएं कि हमें मैदान में कितनी बार सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग 11 मिली है? गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स पर रोड टू वर्ल्ड कप ग्लोरी शो में कहा, हमने ऐसा नहीं किया, केवल विश्व कप के दौरान हमने सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग 11 रखने का फैसला किया, लेकिन दुर्भाग्य से वह कभी भी सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग 11 नहीं थी। बीसीसीआई के कहने के साथ कि राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) आईपीएल 2023 के दौरान खिलाड़ियों के कार्यभार की निगरानी के लिए आईपीएल फ्रेंचाइजी के साथ काम करेगी, गंभीर का मानना है कि इस साल आईपीएल की तुलना में विश्व कप अधिक महत्व रखता है। भारतीय क्रिकेट मुख्य हितधारक है, आईपीएल नहीं। आईपीएल सिर्फ एक उप-उत्पाद है। इसलिए, अगर भारत विश्व कप जीतता है, तो वह बड़ा अवसर होगा।

उदाहरण के लिए, यदि कोई महत्वपूर्ण खिलाड़ी आईपीएल के मैच को मिस करता है तो ऐसा ही हो, क्योंकि आईपीएल हर साल होता है और विश्व कप चार साल में एक बार होता है। इसलिए मुझे लगता है कि विश्व कप जीतना आईपीएल जीतने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। पूर्व क्रिकेटर और 2011 वनडे विश्व कप विजेता भारतीय टीम का चयन करने वाली चयन समिति के अध्यक्ष कृष्णामाचारी श्रीकांत ने कहा कि 2023 विश्व कप के लिए टीम का चयन सितंबर में भारत के आस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे खेलने के समय तक किया जाना है।

एडिलेड इंटरनेशनल 1: क्वार्टर फाइनल में पहुंचे मेदवेदेव

एडिलेड। डेनियल मेदवेदेव ने बुधवार को यहां एडिलेड इंटरनेशनल 1 के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए सर्बिया के मिओमिर केकमानोविच को 6-0, 6-3 से हराया। तीसरी सीड ने एकमात्र ब्रेक प्वाइंट बचाकर 67 मिनट के बाद जीत हासिल की। मेदवेदेव अब खेले गए सभी सात सेट जीतकर एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 3-0 से आगे हैं। 27 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए कारेन खाचानोव से खेलेंगे। मंगलवार को 2023 के अपने शुरूआती मैच में, मेदवेदेव ने अपने इतालवी प्रतिद्वंद्वी लोरेंजो सोनेगो के तीन गेम के बाद रिटायर्ड हर्ट होने से पहले ओपनिंग-सेट टाईब्रेक छीनने के लिए एक घंटे से अधिक समय तक मेहनत की। एडिलेड इंटरनेशनल ने मेदवेदेव के हवाले से कहा, मैंने कल की तुलना में आज थोड़ा बेहतर खेला, लेकिन लोरेंजो ने भी वास्तव में अच्छे शॉट खेले। उन्होंने कहा, कभी-कभी उच्च स्तर का टेनिस शॉट मारने और कुछ अंक हासिल करने के बारे में होता है। मिओमिर ऐसा करने में कामयाब नहीं हुए, लेकिन मैं खुद से खुश हूं। मुझे लगता है कि मैंने बेहतर खेला, शायद थोड़ा बेहतर सर्विस की। महिला एकल में, आर्यना सबालेंका ने 2023 सीजन के अपने पहले आधिकारिक एकल मैच में ल्यूडमिला सैमसनोवा को 7-6(8), 7-6(3) से हराया। उन्होंने कहा, कभी-कभी उच्च स्तर का टेनिस शॉट मारने और कुछ अंक हासिल करने के बारे में होता है। मिओमिर ऐसा करने में कामयाब नहीं हुए, लेकिन मैं खुद से खुश हूं। मुझे लगता है कि मैंने बेहतर खेला, शायद थोड़ा बेहतर सर्विस की।

एचएस प्रणय, पीवी सिंधु बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भारतीय टीम का करेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली,(एजेंसी)

वर्ल्ड नंबर 8 एचएस प्रणय और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता पीवी सिंधु दुबई में 14 से 19 फरवरी तक होने वाली बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। बैडमिंटन एसोसिएशन आफ इंडिया ने एक बार फिर शीर्ष खिलाड़ियों को सीधे चुनने और बाकी टीम के लिए ट्रायल आयोजित करने की प्रणाली का पालन किया था, जो प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता में पदक के लिए चुनौती देने में सक्षम है। 2021 में आयोजन के पिछले सीजन को कोविड महामारी के कारण रद्द करना पड़ा था और भारतीय दल यह दिखाने के लिए उत्सुक होगा कि वे 2019 से कितनी दूर आ गए हैं। लक्ष्य सेन टीम में दूसरे एकल खिलाड़ी होंगे जबकि आकर्षि कश्यप महिला एकल में सिंधु का बैकअप होंगी। फ्रेंच ओपन चैम्पियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को युगल में खेलना होगा क्योंकि कृष्णा प्रसाद और विष्णुवर्धन गौड़ दूसरी जोड़ी के रूप में टीम में शामिल होंगे। भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने कहा, हमने एक बहुत मजबूत टीम चुनी है जो किसी भी शीर्ष राष्ट्र को उनके दिन पर हराने में सक्षम है। हमारी पुरुषों की टीम ने पिछले साल थॉमस कप के

दौरान दिखाया था कि जब वे अपनी लय पाते हैं तो क्या होता है। मुझे विश्वास है कि यह टीम पोडियम पर भी समाप्त कर सकती है। फ्रेंच ओपन चैम्पियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को युगल में खेलना होगा क्योंकि कृष्णा प्रसाद और विष्णुवर्धन गौड़ दूसरी जोड़ी के रूप में टीम में शामिल होंगे।

संक्षिप्त समाचार

मैक्स अस्पताल से मुम्बई ले जाये गये ऋषभ

देहरादून । कार दुर्घटना में घायल भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को लिगामेंट इंजरी के इलाज के लिए मुम्बई ले जाया गया है। इससे पहले ऋषभ का इलाज देहरादून के मैक्स अस्पताल में हुआ। उनकी हालत में लगातार सुधार हो रहा है पर उनके दर्द व सूजन अभी बनी हुई है। जिसके लिए उन्हें पेन मैनेजमेंट थेरेपी दी जा रही है। बुधवार को ऋषभ को एयर एंबुलेंस से दोपहर करीब डेढ़ बजे बाद मैक्स से अस्पताल से मुम्बई भेजा गया। वह जौलीग्रांट एयरपोर्ट गए और उन्हें मुंबई के लिए एयरलिफ्ट किया गया। इस दौरान उनके साथ परिवार के सदस्य व डीडीसीए के डॉक्टरों की टीम भी थी। डीडीसीए निदेशक श्याम शर्मा ने कहा है कि क्रिकेटर ऋषभ को आगे के इलाज के लिए मुंबई के लीलावती अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है। इससे पहले बीसीसीआइ ने इसके लिए सहमति दे दी थी। वहां उनके घुटने और टखने की चोट का भी उपचार किया जाएगा। मुंबई में ऋषभ को बीसीसीआइ के खेल आर्थोपेडिक डॉक्टरों की देखरेख में रखा जाएगा। वहीं अगर सर्जरी होनी होगी तो उन्हें ब्रिटेन या अमेरिका में भेजा जाएगा। जिस पर बीसीसीआइ ही फैसला करेगी। । ऋषभ के दाहिनी कलाई टखने पैर के अंगूठे व शरीर के पिछले हिस्से में भी रगड़ लगने से घाव हैं। दून स्थित मैक्स अस्पताल के हड्डी रोग स्पाइन न्यूरो प्लास्टिक सर्जन व अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने उनका इलाज किया। उनकी स्पाइन व ब्रेन की एमआरआइ रिपोर्ट सामान्य आई पर टखने व घुटने की एमआरआइ दर्द के कारण नहीं हुई थी।

सैमसन ने सुनहरा अवसर गंवाया : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के खराब प्रदर्शन पर नाराजगी जतायी है। गावस्कर ने कहा कि इस प्रकार का शॉट चयन सैमसन को बेकार कर देगा। भारतीय टीम ने श्रीलंका के खिलाफ पहला टी20 जीत लिया पर इस मैच में सैमसन विकेकीपिंग और बल्लेबाजी दोनो में ही नाकाम रहे। बल्लेबाजी में रन नहीं बनाने के बाद वह संजू ने एक कैच भी छोड़ दिया। सैमसन ने 6 गेंदों पर केवल 5 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 83.33 का रहा। इसके साथ ही संजू ने फील्डिंग के दौरान एक अहम कैच छोड़ा। उन्होंने पहले ओवर की दूसरी गेंद पर निसांका का आसान कैच मिस किया। बता दें कि पथुम निसंका ने मिड ऑफ की तरफ एक शॉट खेला था जिसे पकड़ने के लिए सैमसन ने डाइव लगाई पर गेंद उनके हाथ में आकर भी फिसल गयी। गावस्कर ने कहा संजू का शॉर्ट थर्ड मैन के पास गया और इस प्रकार वो आउट हुए। साथ ही कहा कि संजू के पास प्रतिभा की कमी नहीं है वो काफी शानदार खिलाड़ी है पर कभी-कभी उनका शॉट चयन उन्हें नुकसान पहुंचा देता है। उनके पास अपने को साबित करने का एक अच्छा अवसर था पर वह उसका उपयोग नहीं कर पाये।

हार्दिक पंड्या को एक और बड़ी जिम्मेदारी सौंपी

-टी20 के कप्तान के साथ वनडे टीम का उप-कप्तान भी बनाया

मुंबई ।(एजेंसी)

बीसीसीआई ने पिछले दिनों हार्दिक पंड्या को एक और बड़ी जिम्मेदारी सौंपी। उन्हें टी20 के कप्तान के साथ-साथ वनडे टीम का उप-कप्तान भी बनाया गया है। बोर्ड के इस कदम से साफ है कि आने वाले समय में वे व्हाइट बॉल क्रिकेट के कप्तान हो सकते हैं।

रोहित शर्मा 35 साल के हो गए हैं। ऐसे में वे इस साल अक्टूबर-नवंबर में घर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के बाद अपने क्रिकेट करियर को लेकर कुछ बड़ा फैसला कर सकते हैं। भारत और श्रीलंका के बीच मंगलवार 3 जनवरी से 3 मैचों की टी20 सीरीज शुरू हुई। पहले ही मैच में हार्दिक पंड्या ने अपनी कप्तानी के 3 फैसलों से एमएस धोनी की याद दिला दी। धोनी की कप्तानी में ही भारत ने एकमात्र बार 2007 में टी20 वर्ल्ड का खिताब जीता है। अगला टी20 वर्ल्ड कप 2024 में खेला जाना है। ऐसे में सुनील गावस्कर से लेकर रवि शास्त्री का कहना है कि पंड्या टीम को बड़ी सफलता दिला सकते हैं।पहले मैच की बात करें तो हार्दिक पंड्या ने पारी का 20वां ओवर बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल को दिया। मैदान पर ओस पड़ रही थी। ऐसे में गेंद पकड़ना आसान नहीं था। वहीं उनका खुद का एक ओवर बाकी था। पहले 3 ओवर में पंड्या ने सिर्फ 12 रन दिए थे। इसी तरह एमएस धोनी ने 2007 के टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में नए नवेले जोगिंदर शर्मा को 20वां ओवर डालने के लिए चुना था और तब भी भारतीय टीम को जीत मिली थी। यह मैच पाकिस्तान के खिलाफ था।पंड्या बतौर कप्तान खुद को आगे रखकर दूसरे सीनियर और युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। मैच में टीम के पास उमरान मलिक और शिवम मावी जैसे तेज गेंदबाज थे। इसके बाद भी हार्दिक पंड्या ने खुद नई गेंद संभाली। उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित भी किया। इस दौरान वे 140 किमी प्रति घंटा से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए दिखे। ऐसे में आने वाले समय में वे नई गेंद से खुद गेंदबाजी कर सकते हैं। मैच के बाद उन्होंने कहा कि वे मैं नेट्स पर नई बॉल से गेंदबाजी करता रहा हूं। पहला टी20 मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया। यहां लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को अधिक जीत मिली है। इसके बाद भी टॉस हारने के बाद पंड्या ने कहा था कि वे टॉस जीतते तो भी पहले बल्लेबाजी करते। उन्होंने कहा कि हम खुद को द्विपक्षीय सीरीज के दौरान कठिन परिस्थितियों में रखना चाहते हैं। मैच में भारत के 162 रन के जवाब में श्रीलंका की टीम 160 रन ही बना सकी। पहली बार कोई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 200 से कम रन बनाकर टी20 मैच जीतने में सफल हुई।

मालूम हो कि हार्दिक पंड्या आईपीएल 2022 से बतौर कप्तान सबकी नजरों में आए। उन्होंने अपनी अगुआई में गुजरात टाइटंस को टी20 लीग का खिताब दिलाया।

टीम इंडिया ने की ऑस्ट्रेलिया के एक रिकार्ड की बराबरी

टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 कैप देने वाला दूसरे देश बना

मुम्बई ।(एजेंसी)

टीम इंडिया ने श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत से शुरुआत की है। कप्तान हार्दिक पंड्या की कप्तानी में नए साल के इस पहले ही मैच में युवा तेज गेंदबाज शिवम मावी और बल्लेबाज शुभमन गिल ने पदार्पण किया। मावी को कैप नंबर 100 और बल्लेबाज शुभमन गिल को कैप नंबर 101 दी गयी। जब एक से अधिक खिलाड़ी डेब्यू करते हैं तो खिलाड़ियों के कैप नंबर नाम के पहले अक्षर के आधार पर दिए जाते हैं। इसके आधार पर मावी का नाम शुभमन से पहले आता है। ऐसे में उन्हें कैप नंबर 100 मिला जबकि शुभमन गिल का नाम बाद में आया और उन्हें 101 नंबर का कैप दिया गया। कैप नंबर किसी भी देश के लिए डेब्यू करने वालों के क्रम में खिलाड़ी के स्थान को दिखाता है। इसी के साथ ही मावी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले 100वें खिलाड़ी बने हैं। ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 कैप देने वाला दूसरा देश बन गया है। मावी ने अपने पहले ही मैच में श्रीलंका के खिलाफ चार विकेट लेकर शानदार शुरुआत की। मावी ने चार ओवर में केवल 22 रन देकर चार विकेट लिए।

युनाइटेड कप: सिटी फाइनल में सितसिपास ने कॉरिच को हराकर क्रोएशिया से बराबरी की

पर्थ। स्टेफानोस सितसिपास ने रोमांचक मुकाबले में बोर्ना कॉरिच को 6-0, 6-7(4), 7-5 से मात देकर बुधवार को यहां टीम ग्रीस को बराबरी पर ला दिया। डोना वेकिच ने सिटी फाइनल्स में डेस्पिना पापामिचेल पर 6-2, 6-0 से जोरदार जीत दर्ज कर क्रोएशिया को बढ़त दिलाई।शुरूआती सेट शून्य पर लेने के बाद सितसिपास को कड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि कॉरिच ने दूसरे सेट में 5-6 पर दो मैच प्वाइंट बचाने के बाद वापसी की। यूनानी खिलाड़ी तब निर्णायक सेट में 1-4 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए दो घंटे और 32 मिनट की रोमांचक जीत हासिल की और यूनान को 1-1 की बराबरी दिला दी। सिटी फाइनल का फैसला शाम के सत्र में होगा, जहां यूनान की डब्ल्यूटीए नंबर 6 मारिया सकारी महिला एकल मैच में पेट्रा मार्टिच से भिड़ेंगी। शुरूआती सेट शून्य पर लेने के बाद सितसिपास को कड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि कॉरिच ने दूसरे सेट में 5-6 पर दो मैच प्वाइंट बचाने के बाद वापसी की। यूनानी खिलाड़ी तब निर्णायक सेट में 1-4 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए दो घंटे और 32 मिनट की रोमांचक जीत हासिल की और यूनान को 1-1 की बराबरी दिला दी।

शिवम ने अपने डेब्यू मैच में मचा दिया धमाल

श्रीलंका के खिलाफ जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

तेज गेंदबाज शिवम मावी ने अपने डेब्यू टी20 इंटरनेशनल मैच में धमाल मचाया। श्रीलंका के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज के पहले टी20 मैच के जरिए शिवम मावी को इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिला जिसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया। मावी ने मुंबई में खेले गए पहले टी20 मैच में श्रीलंका के खिलाफ भारत को रोमांचक जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। जीत के बाद इस युवा तेज गेंदबाज ने कहा कि एक समय उन्हें ऐसा लगने लगा था कि वह टीम इंडिया के लिए कभी नहीं खेल पाएंगे। शिवम मावी ने अपने 4 ओवर के स्पैल में 22 रन खर्च कर कुल 4 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने अपनी खतरनाक इनस्विंगर गेंद पर श्रीलंका ओपनर पथुम निसंका को बोल्ड किया। उन्होंने कहा कि उनका सपना पूरा हो गया। शिवम ने मैच के बाद कहा ' अंडर-19 खेलने के बाद मैं पिछले 6 साल से इसका इंतजार कर रहा था। इस दौरान मैं चोटिल भी हुआ। कुछ समय के लिए मुझे लगा कि शायद इंडिया के लिए खेलने का मेरा ड्रीम कहीं सपना बनकर ही ना रह जाए।'शिवम मावी साल 2018 में भारत की अंडर-19 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा थे। तब उन्होंने न्यूजीलैंड में अपनी रफ्तार से प्रभावित किया था। उसके बाद उन्हें आईपीएल कॉन्ट्रेक्ट मिला। मावी ने आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स की ओर से शुरुआत की हालांकि वह अधिकतर समय चोटिल रहे। अब मावी पूरी तरह फिट हैं और आने वाले समय में टीम इंडिया के लिए विकेटों की झड़ी लगाने को तैयार हैं। बकौल शिवम मावी ' पिछले 6 वर्षों में मैंने कड़ी मेहनत की। पथुम निसंका को बोल्ड करना मेरा पसंदीदा विकेट रहा।' शिवम को हाल में आईपीएल ऑक्शन 2023 में गुजरात टाइटंस ने 6 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा।

इस ऑक्शन में शिवम अनकैप्ड खिलाड़ियों में सबसे महंगे रहे। मैंने इस दौरान आईपीएल भी खेला। इस मुकाबले में मेरा फोकस पॉवरप्ले में विकेट झटकना था। शिवम मावी अपने डेब्यू टी20 में 4 विकेट लेने वाले भारत के तीसरे गेंदबाज हैं।

ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड स्पिन को उपमहाद्वीप की टीमों से बेहतर खेलते हैं: संगकारा

नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा का मानना है कि इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया जैसे विदेशी देशों ने उपमहाद्वीप की टीमों की तुलना में स्पिन को बेहतर तरीके से खेलना सीखा है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में क्रिकेट में काफी बदलाव आया है। संगकारा ने स्टार स्पोर्ट्स शो में कहा, मुझे लगता है कि 2011 के बाद से क्रिकेट काफी बदल गया है, उन दिनों में मैं कहूंगा कि एशियाई परिस्थितियों में, यह उपमहाद्वीप के खिलाड़ियों की बात होती थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मुझे लगता है कि इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड ने स्पिन को खेलने की तुलना में बहुत बेहतर सीखा है। उन्होंने आगे कहा, आप बहुत सारे रिवर्स स्वीप, पैडल शॉट और स्वीप देखते हैं, ये सभी नए स्ट्रोक अपने पैरों का उपयोग करके खेला जाता है। मुझे लगता है कि उपमहाद्वीप में क्रिकेट को देखने के हमारे तरीके में क्रांति आई है। आईपीएल ने एक्सपोजर के इस मामले में भी बहुत मदद की है। संगकारा ने स्टार स्पोर्ट्स शो में कहा, मुझे लगता है कि 2011 के बाद से क्रिकेट काफी बदल गया है, उन दिनों में मैं कहूंगा कि एशियाई परिस्थितियों में, यह उपमहाद्वीप के खिलाड़ियों की बात होती थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मुझे लगता है कि इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड ने स्पिन को खेलने की तुलना में बहुत बेहतर सीखा है।

आप के गुजरात संगठन में फेरबदल ईसुदान गढ़वी पार्टी के नए प्रदेश प्रमुख नियुक्त

गोपाल इटालिया को पार्टी का राष्ट्रीय संयुक्त सचिव और महाराष्ट्र का प्रभारी बनाया

अहमदाबाद । आम आदमी पार्टी (आप) ने पार्टी के गुजरात संगठन में बड़ा फेरबदल किया है। आप के प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया को हटाकर उनकी जगह पर ईसुदान गढ़वी को नियुक्त किया गया है। जबकि गोपाल इटालिया को पार्टी का राष्ट्रीय संयुक्त सचिव और महाराष्ट्र प्रदेश का सह प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा अल्पेश कथीरिया को सूरत जोन का कार्यकारी प्रमुख नियुक्त किया है। रमेश पटेल को उत्तर गुजरात चैतर वसावा को दक्षिण गुजरात जगमल वाला को सौराष्ट्र जेवल वसरा को मध्य गुजरात का और कैलाश गढवी को कच्छ का कार्यकारी प्रमुख नियुक्त किया गया है। गुजरात विधानसभा के चुनाव में 5 सीटें जीतने के बाद अब आप आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। गुजरात में संगठन को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों को लेकर आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों की एक बैठक हुई। गौरतलब है गुजरात विधानसभा के चुनाव में आप को कोई खास सफलता नहीं मिली है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुजरात में आप की सरकार बनने का लिखकर दावा किया था।

इतना ही नहीं गोपाल इटालिया ईसुदान गढ़वी और अल्पेश कथीरिया के भारी वोटों से जीतने का भी लिखकर दावा किया था। लेकिन चुनाव के नतीजों ने केजरीवाल के सभी दावों को गलत साबित कर दिया। आप ने गुजरात विधानसभा की सभी 182 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। जिसमें सूरत के एक उम्मीदवार के अपना नाम वापस लेने पर चुनाव मैदान में आप के 181 प्रत्याशी रह गए थे। इनमें से केवल 5 उम्मीदवार जीतकर गुजरात विधानसभा पहुंचे।

डिंडोली मातृभूमि विद्यालय में गुजराती और अंग्रेजी माध्यम में स्पोर्ट्स कार्निवाल 2023 का भव्य आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। डिंडोली मातृभूमि विद्यालय में बुधवार दिनांक 4.1.2023 को गुजराती एवं अंग्रेजी माध्यम में स्पोर्ट्स कार्निवाल 2023 मनाया गया। जिसमें विद्यालय द्वारा मैदान में जन जागरूकता रैली निकाली गई। विद्यालय के ट्रस्टी अतुलसर ने उपस्थित होकर प्रार्थना व मैदान में परेड कराकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। जिनके द्वारा दीप जलाकर खेल कार्निवाल का शुभारंभ किया गया। स्पॉट कार्निवाल में गुजराती माध्यम के आचार्यश्री मनोजसर के मुख्य भाषण के बाद खेल शुरू हुआ। इस स्पोर्ट कार्निवाल में स्कूल के सभी बच्चों यानि 500 विद्यार्थियों ने एक साथ भाग लिया और पूरे मैदान को स्पोर्टी बना दिया। मैदान में कबड्डी, खोखो, डिश थ्रो, लेमन स्पून, बुक बैलेंस, रस्सी कूद, पानी से बैंगन बाहर, एक मिनट में बिस्किट खाओ, बास्केटबॉल, बैग कूद, जैसे कई खेलों में बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। इन खेलों में से प्रत्येक से तीन नम्बर कुमार और कन्या का चयन किया गया और प्रत्येक विजेता छात्र को स्कूल द्वारा मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दिन खेल दिवस में माता-पिता का भी बहुत अहम योगदान होता है इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बहुत मेहनत की। जिसके लिए विद्यालय की पर्यवेक्षक श्री कृष्णाबेन जानकीबेन, महेशभाई ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को संपन्न घोषित किया।

दो दिवसीय आयोजन के लिए सजने लगी द्वारकापुरी

सूरत भूमि, सूरत।

खाटूधाम की तर्ज पर सुरतधाम में दो दिवसीय भजन संध्या का आयोजन सात जनवरी से किया जायेगा । इसके लिए वीआईपी रोड स्थित द्वारिका पूरी सजने लगी है । "श्याम शरण में आजा रे" कार्यक्रम में बाबा श्याम का दरबार वृन्दावन के प्रेम मंदिर की तर्ज पर जयपुर के कलाकारों द्वारा सजाया जायेगा । वृन्दावन की थीम पर आयोजन स्थल "द्वारका पूरी" को सजाया जायेगा । विभिन्न किस्म के फूलों से बाबा श्याम श्रृंगार किया जायेगा ।

"श्याम शरण में आजा रे" द्वारा आयोजित भजन संध्या की शुरुआत सात जनवरी को सुबह दस बजे से होगी, जो आठ जनवरी को देर रात तक चलेगी । "श्याम शरण में आजा रे" के आयोजकों ने बताया की इस अवसर पर बाबा श्याम का भव्य एवं आलोकिक दरबार वीआईपी रोड स्थित श्रीश्याम मंदिर के पास द्वारिका पूरी में सजाया जायेगा । अखंड ज्योत प्रज्जवलन के साथ भजन संध्या की शुरुआत होगी । भजन संध्या में सुप्रसिद्ध गायक कलाकार कन्हैया मित्तल, गीता रबारी, प्रमोद त्रिपाठी, राज पारीक, रजनी राजस्थानी, संजीव शर्मा सहित देश भर के 51 से ज्यादा गायक कलाकार भजनों की प्रस्तुति देंगे । दो दिन तक लगातार चलने वाली भजन संध्या में सूरत के अलावा देश के अनेकों शहरों से एवं आस-पास के हज़ारों श्याम भक्त सुरतधाम आएंगे । आयोजकों ने बताया की कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी है । इसके लिए अनेकों समितियों का गठन किया गया है ।

प्लास्टइण्डिया फाउण्डेशन का पॉलिमर पर आयात शुल्क कम करने और तैयार प्लास्टिक उत्पादों पर सीमा शुल्क बढ़ाने का वित्तमंत्री से आग्रह

सूरत भूमि, सुरत। प्लास्टइण्डिया फाउण्डेशन के अध्यक्ष जिगिश दोशी ने सरकार से घरेलू प्लास्टिक उद्योग को समर्थन देने के लिए केन्द्रीय बजट 2023-24 में पॉलिमर पर आयात शुल्क कम करने और तैयार प्लास्टिक उत्पादों पर सीमा शुल्क बढ़ाने का आग्रह किया है।

उन्होंने आशा जताई है कि वित्त मंत्री कच्चे माल से पूरे प्लास्टिक उद्योग के समग्र विकास और मशीनरी निर्माताओं के लिए कनवर्टर विकास को ध्यान में रखते हुए बजट तैयार करेंगी। प्लास्टइण्डिया फाउण्डेशन का आदर्श मोटो भारतीय प्लास्टिक उद्योग को 2025 में 5 ट्रिलियन अमरीकी डालर से 2045 तक एक महत्वाकांक्षी अमरीकी डालर 25 मिलियन तक उच्च विकास पथ पर रखना है। गौरतलब है कि वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए केन्द्रीय बजट पेश करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

श्री जिगिश दोशी ने कहा, भारत को प्लास्टिक के लिए वैश्विक सोर्सिंग हब बनाने के लिए, प्लास्टइण्डिया फाउण्डेशन पूरे दिल से मेक इन इण्डिया और आत्मनिर्भर भारत पहल का समर्थन करता है। हालाँकि, हमें इसे वास्तविकता बनाने के लिए सरकार से समर्थन की आवश्यकता है इस बारे में श्री दोशी ने क्रमवार सुझाव दिए है कि :

- पॉलिमर पर आयात शुल्क 5-7.5 प्रतिशत के बीच होना चाहिए। भारत पर्याप्त पॉलिमर का उत्पादन नहीं करता है और आयात अपरिहार्य है। भारतीय प्लास्टिक उद्योग को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए पॉलिमर पर आयात शुल्क कम करने की आवश्यकता है
- घरेलू प्लास्टिक प्रोसेसिंग उद्योग का समर्थन करने के लिए तैयार प्लास्टिक उत्पाद पर कस्टम ड्यूटी न्यूनतम 20 प्रतिशत या उससे अधिक होनी चाहिए
- सरकार रिन्यूएबल एनर्जी पर ध्यान केन्द्रित कर रही है, और यह प्लास्टिक उद्योग के सुनहरा अवसर है। हालांकि, वर्तमान में सौर पैनलों और पवन चक्कियों के लिए 90 प्रतिशत कम्पोनेंट आयात किए जाते हैं और इन उत्पादों को भारत में केवल असेंबल ही किया जाता है। स्थानीय निर्माताओं को प्रोत्साहित करने के लिए ईवीए, बैक शीट, मेटल फ्रेम, सोलर ग्लास आदि कम्पोनेंट्स के आयात पर सीमा शुल्क कम से कम 20 प्रतिशत होना चाहिए। प्लास्टिक उद्योग ईवीए और बैक शीट के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारत में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए श्री जोशी ने केन्द्रीय वित्त मंत्री से निम्नखित बिन्दुओं पर भी विचार करने का आग्रह किया है:

- इस उद्योग को 5 रुपए प्रति यूनिट से कम पर निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जाए। भारत में बिजली की उच्च दर है और बिजली का उतार-चढ़ाव (पावर फ्लैक्चुएशन) भी बहुत अधिक है। यह दर पड़ोसी देशों के बराबर है जो कम कीमत पर उद्योगों को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराती है
- भारत में एक मुक्त श्रम कानून होना चाहिए हालांकि मजदूरी इतनी अधिक नहीं होनी चाहिए कि यह निर्माण उद्योग को विश्व स्तर पर अप्रतिस्पर्धी बना दे। श्रम कानून केन्द्र सरकार के दायरे में आना चाहिए और पूरे देश में वेतन टियर 1, टियर 2 और टियर 3 शहरों में एक समान होने चाहिए

महिला स्वास्थय जाँच शिविर रविवार को

सूरत भूमि, सूरत। अग्रवाल समाज ट्रस्ट सूरत द्वारा संचालित अग्रवाल हेल्थ सेंटर द्वारा रविवार, आठ जनवरी को महिला स्वास्थय जाँच शिविर का आयोजन किया किया जायेगा । अग्रवाल समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील बजाज ने बताया की कैंप में सूरत की ख्याति नाम गायनिक डॉक्टर शुभ्राजी त्रिपाठी अपनी सेवाएं देंगी । अग्रवाल हेल्थ सेंटर के चेयरमैन अरविंद गाड़यिा ने बताया की कैंप में महिलाओं से संबंधित सभी रोग जैसे अनियमित महावारी, स्वेत प्रदर, नि:संतान, बच्चेदानी सहित सभी रोगों का नि:शुल्क उपचार किया जाएगा । कैंप में आने वाली सभी महिलाओं की सोनोग्राफी, प्रेगनेंसी टेस्ट, हीमोग्लोबिन आदि की भी जाँच की जाएगी । अग्रवाल समाज ट्रस्ट सूरत द्वारा संचालित अग्रवाल हेल्थ सेंटर पिछले 5 साल से कार्यरत है वहां पर रियायती दर पर रोगीयो का निदान किया जाता है एवं समय-समय पर अलग-अलग बीमारियों के लिए कैंप का आयोजन अग्रवाल हेल्थ सेंटर द्वारा किया जाता है ।

6 जनवरी को अहमदाबाद-मंगलुरू के बीच चलेगी वन वे स्पेशल ट्रेन

अहमदाबाद। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए 6 जनवरी 2023 (शुक्रवार) को अहमदाबाद से बेंगलुरु के लिए स्पेशल ट्रेन (वन वे) विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 06072 अहमदाबाद-मंगलुरू स्पेशल (वन वे) ट्रेन संख्या 06072 अहमदाबाद-मंगलुरू एक्सप्रेस वन वे स्पेशल 6 जनवरी 2023 को अहमदाबाद से 16ः00 बजे चलकर अगले दिन 18ः30 बजे मंगलुरू पहुंचेगी। मार्ग में यह ट्रेन वडोदरा सूरत वापी वसई रोड पनवेल रोहा खेड चिपलुन संगमेश्वर रोड रत्नागीरी कनकवली सिंधुदुर्ग कुडाल सावंतवाड़ी रोड थिविम करमाली मडगांव काणकोण कारवार अंकोला गोकर्ण रोड कुमटा मुरडेश्वर भटकल मूकंबिका रोड बैंदुर कुंदापुरा उडुपि मुल्की तथा सूरतकल स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3 टियरस्लीपर एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। ट्रेन संख्या 06072 की बुकिंग 05 जनवरी 2023 से पीआरएस काउंटर और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी।

दुष्कर्म के मामलों में अंतर पर केन्द्र और गुजरात के आंकड़ों पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

अहमदाबाद । गुजरात में दुष्कर्म और सामूहिक दुष्कर्म के राज्य विधानसभा और लोकसभा में पेश किए गए आंकड़ों के अंतर पर कांग्रेस ने सवाल उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा हैं। गुजरात विधानसभा पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो साल में राज्य में दुष्कर्म की 3796 घटनाएं हुई हैं। जबकि लोकसभा पेश रिपोर्ट में दुष्कर्म की घटनाएं 1075 बताई गईं। गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता पार्थिवराज सिंह कठवाडिया ने पत्रकार परिषद में कहा कि 10 मार्च 2022 को राज्य विधानसभा में गृह मंत्री हर्ष संघवी ने रिपोर्ट पेश की थी। जिसमें वर्ष 2020 और 2021 के दौरान दो साल में कुल 3796 दुष्कर्म और 61 सामूहिक दुष्कर्म के मामले दर्ज होने का उल्लेख किया था। जब 20 दिसंबर 2022 को लोकसभा में पूछे गए सवाल के जवाब में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात में दुष्कर्म और सामूहिक दुष्कर्म के आंकड़े पेश किए थे। इन आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2020 और 2021 के दौरान दो साल में गुजरात में 1075 दुष्कर्म और 35 सामूहिक दुष्कर्म की घटनाओं का उल्लेख था। कांग्रेस प्रवक्ता ने सवाल किया कि गुजरात में दुष्कर्म और सामूहिक दुष्कर्म के मामलों को लेकर राज्य सरकार या केन्द्र सरकार दोनों में से कोई झूठ बोल रहा है। भरोसे की सरकार का दावा करने वाली भाजपा के झूठ पर गुजरात और देश के नागरिक राज्य सरकार पर भरोसा करे या केन्द्र सरकार करे ?

भाजपा यह सुनिश्चित करे कि आखिर गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने राज्य विधानसभा में गलत आंकड़े पेश किए हैं या केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा को गुमराह किया? केन्द्र या गुजरात के गृह विभाग से जिसने भी गलत आंकड़े दिए हैं उसके खिलाफ साथ ही नैतिकता के आधार पर विधानसभा या लोकसभा गलत आंकड़े पेश करने वाले गृह मंत्री को तत्काल अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। अगर इसी प्रकार विधानसभा या लोकसभा में गलत आंकड़े पेश किए जाएंगे तो देश के नागरिकों को लोकतंत्र और सरकार से भरोसा उठ जाएगा। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि सही आंकड़े गुजरात विधानसभा में पेश किए गए या लोकसभा में ?

सिल्वर कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड ने 4000 मिलियन रुपये पर प्राइवेट प्लेसमेंट का राउन्ड बंद किया

"सिल्वर पंप्स एंड मोटर्स" - सबसे तेजी से प्रगति कर रही कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल कंपनी है। पंप, मोटर, पंखे और कई अन्य सेगमेंट में विविध प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के साथ, सिल्वर कई प्रमुख सफल फर्मों में महत्वपूर्ण आय पाने में भी योगदान देता है।

राजकोट के मेटोडा के पास 30 एकड़ के विशाल क्षेत्र में फैली और एक ही छत के नीचे सभी निर्माण सुविधाएं होने के कारण, सिल्वर कंपनी के पास अत्याधुनिक इलेक्ट्रिकल प्रोडक्शन, टेस्टिंग और रिसर्च के लिए अलग विभागीय सुविधा भी है। सिल्वर के सभी प्लांट में आयात निर्भरता को कम करने के लिए एक "बैकवर्ड इंटीग्रेशन" स्ट्रेटेजी लागू की गई है।

1981 में श्री धरमशीभाई बेडीया द्वारा सिल्वर की स्थापना के बाद, उनके बेटे विनीत बेडीया 2018 में व्यवसाय में शामिल हुए। 29 साल के विनीत ने बिजनेस में शामिल होने के महज तीन साल में ही बिजनेस को चार गुना बढ़ा लिया है। BITS, पिलानी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग स्नातक, श्री विनीत बेडीया एक प्रभावी नेता, दूरदर्शी और एक शानदार विचारक हैं। एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व के रूप में, वह सफलतापूर्वक कंपनी को एक अग्रणी वैश्विक ब्रांड में बदलने का प्रयास कर रहे हैं। नेतृत्व और कर्मचारियों के प्रति अपने बिल्कुल नए दृष्टिकोण के साथ, उन्होंने कंपनी में एक नए कल्चर का निर्माण किया है। जिसमें सभी शत प्रतिशत उत्साह के साथ अपने कार्य की जिम्मेदारी लेते हैं। कंपनी SAP, इन-हाउस R&D लैब, रियल टाइम क्वालिटी चेक, मल्टीपल ऑडिट कंट्रोल और अन्य जैसी मजबूत प्रणालियों और प्रक्रियाओं के माध्यम से कुशलता से काम करती है।

श्री विनीत बेडीया, एमडी, सिल्वर, ने डील के अवसर पर कहा, "सिल्वर मेड-इन-इंडिया सोल्यूशन्स के माध्यम से उत्कृष्ट ग्राहक अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। रिसर्च, इनोवेशन और पारदर्शी मूल्य आधारित कार्य प्रणाली सिल्वर की पहचान हैं। हमारा लक्ष्य वैश्विक बाजारों में अग्रणी प्लेटफॉर्म बनना है। हम अपने निवेशकों का स्वागत करते हैं और दृढ़ता से विश्वास करते हैं कि सभी निवेशकों को सिल्वर पर गर्व होगा।"

"विकास पर अधिकतम ध्यान दे रहे है। हम स्ट्रेटेजिक टाई-अप के लिए कुछ प्रतिष्ठित व्यापारियों के साथ चर्चा कर रहे हैं। हम बहुत बड़े पैमाने पर विकास करने की योजना पर भी काम कर रहे हैं और अपने प्राइवेट प्लेसमेंट दौर के बाद हम अपने विकास को भी गति देंगे", विनीत बेडीया ने कहा।

मणिपाल ग्लोवबल स्किल्सा एकेडमी ने नेशनल सेल्से एकेडमी लॉन्चस कर भारत मं रोजगार के एक लाख अवसर निर्मित किये

मणिपाल ग्लोपबल स्किल्सद एकेडमी, भारत के प्रमुख कौशल प्रशिक्षण उद्यम,ने भारत में एक लाख से ज्यांदा रोजगार के अवसर दिये हैं। एमजीएसए ने नेशनल सेल्सस एकेडमी लॉन्ची कर प्रोग्राम्स के अपनेनये पोर्टफोलियो के तहत सेल्सन की भूमिकाओं के लिये रोजगार के योग्यय कुशल पेशेवरों को तैयार किया है। इस प्रोग्राम के जरिये मणिपाल ग्लोहबल स्किल्सि एकेडमी भागीदार बीएफएसआई, फार्मास्यु टिकल और कंज्यू मर पैकेज्ड गुड्स (सीपीजी) कंपनियों के लिये प्रमाणित पेशेवरों की भर्ती करेगी जोकि अपनी बिक्री एवं ग्राहक प्रबंधन टीमों को मजबूत करने के लिए तत्पजर हैं।

नेशनल सेल्स् एकेडमी (एनएसए) के पास पेशेवर प्रमाणन के दो मॉड्यूल्सर हैं- एनएसए एक्सीलेंस और एनएसए एडवांस्डल। एनएसए एक्सीपलेंस छोटी अवधि (15 दिनों) का कोर्स है और एनएसए एडवांस्डस दो महीने का ऑनलाइन प्रोग्राम है। कोर्स के अंत में विद्यार्थी मणिपाल ग्लो(बल स्किल्सर एकेडमी के प्रमाणपत्र से प्रमाणित होगा। इसके पूरा होने पर विद्यार्थी फायदेमंद भूमिकाओं की आकांक्षा रख सकते हैं, जैसे कि सेल्स असोसिएट्स, असिस्टेपन्टह मैनेजर्स, रिलेशनशिप मैनेजर्स, सेल्सि लीड्स, आदि। एडवांस्डम सर्टिफिकेशन का रास्तो वरिष्ठो भूमिकाओं, जैसे सीनियर रिलेशनशिप मैनेजर्स, रीजनल सेल्सा हेड, सेल्स लीडर्स, सीनियर बिजनेस मैनेजर्स, आदि के लिये अपना कौशल निखारने के इच्छुक सेल्सी के मौजूदा पेशेवरों को सक्षम बनाने के लिये है।

इस गठबंधन पर अपनी बात रखते हुए, मणिपाल ग्लो्बल एज्युकेशन सर्विसेज प्रा. लि. के मुख्य् व्यगवसाय अधिकारी श्री रॉबिन भौमिक ने कहा, "नेशनल सेल्सज एकेडमी के माध्यनम से हम भारत के जन-साधारण के बाजार में पूंजी बाजारों, व्यानपार, प्रतिभूतियों और संपत्ति निर्माण में कुशल पेशेवरों की नियुक्ति के साथ मापनीय वृद्धि चाहते हैं। हमारे प्रमाणित सेल्से प्रोफेशनल्से सही टूल्स और कुशलताओं से लैसहोंगे, ताकि वेबीएफएसआई, फार्मास्युमटिकल्स, सीपीजी, एफएमसीजी, रिटेल, आदि में तरक्कीक करें और व्यववसाय के अवसरों का दायरा बढ़ाने में सक्षम हों।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-22 142 11, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)